!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

वर्ष-11। अंक 129। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, बुधवार, 14 मई, 2025

भारत पर बुरी नजर डालने का अंजाम होगा 'महाविनाश'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आदमपुर एयरबेस का दौरा कर एयर वॉरियर्स से की मुलाकात

हम घर में घुसकर मारेंगे, बचने का मौका नहीं देंगे

एजेंसी ● आदमपुर

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आदमपुर एयरबेस का दौरा कर एयर वॉरियर्स से मुलाकात की और उनका हौसला बढ़ाया। पीएम मोदी ने आदमपुर जाकर पाकिस्तान के झूठ का भी पर्दाफाश किया। यह वही एयरबेस है जिसे पाकिस्तान ने निशाना बनाने का झूठा दावा किया था। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की सेनाओं ने अपने पराक्रम का शानदार परिचय दिया है और अब ऑपरेशन सिंदूर ही भारत का न्यू नॉर्मल है।

पीएम मोदी ने कहा कि आतंक के खिलाफ भारत की लक्ष्मण रेखा अब एकदम साफ है। अब फिर कोई आतंकी हमला हुआ तो भारत पक्का जवाब देगा। यह हमने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के समय देखा है। अब तो ऑपरेशन सिंदूर भारत का न्यू नॉर्मल है। उन्होंने कहा कि भारत ने अब तीन सूत्र तय कर दिए हैं।

पहला- अगर भारत पर आतंकी हमला हुआ तो अपने तरीके से, अपनी शर्तों पर, अपने समय पर जवाब देंगे।

दूसरा- कोई भी न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा।

तीसरा- हम आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखते।

तीनों सेनाओं का शानदार तालमेल

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया भी भारत के इस नए रुप और व्यवस्था को समझते हुए आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का एक-एक पल भारत की सेनाओं के सामर्थ्य की गवाही देता है। इस दौरान हमारी सेना का तालमेल वाकई में शानदार था। आर्मी, नेवी या एयर फोर्स सबका तालमेल जबरदस्त था। बीएसएफ और दूसरे बलों ने भी अद्भुत क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। इसके पीछे आप सबका शौर्य, साहस और सजगता है। इस जज्बे को बरकरार रखते हुए हमें लगातार सजग रहना है।

आतंकियों का फन उनके घर में कुचला

पीएम मोदी ने पाकिस्तान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि हमारे ड्रोन, हमारी मिसाइलें- इनके बारे में सोचनेभर से ही पाकिस्तान की कई दिनों तक नींद उड़ जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत बुद्ध की भी धरती है और गुरु गोबिंद सिंह जी की धरती है। गुरु गोबिंद सिंह जी ने कहा था- 'सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं। अधर्म के नाश और धर्म की स्थापना के लिए शस्त्र उठाना हमारी परंपरा रही है। इसीलिए जब हमारी बहन-बेटियों का सिंदूर छीना गया, तो हमने आतंकियों के फन को उनके घर में घुसकर कुचल दिया।

वे भूल गए कि ये हिंद की सेना है

उन्होंने कहा कि वो कायरों की तरह छिपकर आए थे, लेकिन वो भूल गए कि उन्होंने जिसे ललकारा है वो हिंद की सेना है। आपने उन्हें सामने से हमला करके मारा है। आपने आतंक के तमाम बड़े ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया। 9 आतंकी ठिकाने बर्बाद कर दिए, 100 से ज्यादा आतंकियों को ढेर कर दिया। आतंक के आकाओं को अब समझ आ गया है कि भारत की ओर नजर उठाने का अब एक ही अंजाम होगा- तबाही। भारत में बेकसूर लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा - विनाश और महाविनाश।

पाक में अब कहीं भी सेफ नहीं आतंकी

पीएम मोदी ने कहा, 'जिस पाकिस्तानी सेना के भरोसे ये आतंकवादी बैठे थे, भारतीय सेना, भारत की वायु सेना और भारतीयों ने उस पाकिस्तानी सेना को भी धूल चटा दी है। भारत की सेनाओं ने पाकिस्तानी सेना को यह भी दिखा दिया है कि पाकिस्तान में अब कोई जगह नहीं बची है जहां आतंकवादी बैठकर चैन की सांस ले सकें। हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे।

ऑपरेशन सिंदूर ने देश को एकता के सूत्र में बांधा

पीएम मोदी ने भारतीय वायुसेना के जवानों से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से आपने देश का आत्मबल बढ़ाया है, देश को एकता के सूत्र में बांधा है और भारत की सीमाओं की रक्षा की है। आपने भारत के स्वाभिमान को नई ऊंचाई दी है। आपने वो किया है, जो अभूतपूर्व है, अकल्पनीय है, अद्भुत है। उन्होंने महाराणा प्रताप के प्रसिद्ध घोड़े चेतक पर लिखी गई पंक्तियां सुनाते हुए कहा, 'कौशल दिखलाया चालों में, उड़ गया भयानक भालों में। निर्भीक गया वह ढालों में, सरपट दौड़ा करवालों में। आपके पराक्रम की वजह से ऑपरेशन सिंदूर की गूंज हर कोने में सुनाई दे रही है। इस दौरान हर भारतीय आपके साथ खड़ा रहा। आज हर देशवासी अपने सैनिकों, उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञ है, उनका ऋणी है।'

मजबूत रक्षा कवच भारत की पहचान

पीएम मोदी ने कहा, 'मैनपावर के साथ-साथ ऑपरेशन सिंदूर में मशीनों का समन्वय भी शानदार था। चाहे वो भारत का पारंपरिक एयर डिफेंस सिस्टम हो या फिर आकाश जैसे हमारे मेड इन इंडिया प्लेटफॉर्म- इन सभी को S-400 जैसी आधुनिक और सक्षम डिफेंस सिस्टम ने अभूतपूर्व ताकत दी है। एक मजबूत रक्षा कवच भारत की पहचान बन गया है। पाकिस्तान की तमाम कोशिशों के बावजूद, चाहे हमारे एयरबेस हों या दूसरे डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर- इन सभी पर कोई असर नहीं पड़ा। इसका श्रेय आप सभी को जाता है। मुझे आप सभी पर गर्व है।'

तस्वीर से दिया दोहरा संदेश

पीएम मोदी सुबह 7 बजे के करीब पालम हवाई अड्डे से वायुसेना के विमान से पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे थे। इस दौरान एक तस्वीर में प्रधानमंत्री मोदी वायुसेना के जवानों की ओर हाथ हिलाते हुए दिख रहे थे, जबकि उनके पीछे मिग-29 जेट और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम बिल्कुल सही सलामत खड़े थे। इस तस्वीर का संदेश दोतरफा था- इसने न केवल पाकिस्तान के इस दावे को खारिज किया कि उसकी मिसाइलों ने आदमपुर में एस-400 वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की अटूट प्रतिबद्धता का भी संकेत दिया।

पीएम मोदी के बड़े बोल

'पाकिस्तान की गुहार के बाद सैन्य कार्रवाई सिर्फ स्थगित

फिर हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब देंगे...

'हम घर में घुसकर मारेंगे, बचने का मौका भी नहीं देंगे...

आतंकियों के आका और पोषक सरकार अलग नहीं

ऑपरेशन सिंदूर अब भारत के लिए न्यू नॉर्मल

भारत माता की जय से दुश्मन के कलेजे कांपते हैं।

शोपियां में अहमद कुट्टे सहित तीन आतंकी ढेर

एजेंसी ● शोपियां

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में तीन आतंकियों को ढेर कर दिया गया है। इनमें से एक आतंकी शाहिद अहमद कुट्टे बताया जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले में इसका भी नाम आया था और सुरक्षाबलों ने शोपियां के चोटीपोरा में स्थित इसका घर भी मिट्टी में मिला दिया था। कुट्टे लश्कर ए तैयबा के प्रॉक्सी ग्रुप टीआरएफ का बड़ा कमांडर था। वह लश्कर-ए-तैयबा के लिए भर्ती, ट्रेनिंग, और ऑपरेशंस को कोऑर्डिनेट करने में सक्रिय रहा है। वह पाकिस्तान से हथियार, विस्फोटक, और फंडिंग प्राप्त करने में भी शामिल रहा है। पहलगाम आतंकी हमले को अंजाम देने में उसका बड़ा रोल था।

जम्मू-कश्मीर में मंगलवार सुबह आतंकियों से मुठभेड़ की शुरुआत कुलगाम जिले में हुई थी, जिसके बाद आतंकवादी शोपियां भाग गए थे। हालांकि हमारे सुरक्षाबल के जवान उनका पीछा करते-करते शोपियां पहुंचे और आतंकियों को वहीं घेर लिया। इस दौरान खुद को घिरा हुआ देख आतंकियों ने फायरिंग कर दी, जवाब देते हुए तीनों आतंकियों को सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया।

पहलगाम के आतंकियों पर 20 लाख का इनामः ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी ठिकानों का नामोनिशान मिटाने के बाद अब ऐजेंसियों को उन दहशतगर्दों की तलाश है, जिन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम में बेगुनाह लोगों को बेरहमी से मौत के घाट उतारा था। साउथ कश्मीर के कई जिलों में पुलिस ने मास्टरमाइंड हाशिम मूसा समेत 3 आतंकियों की तस्वीरें चस्पा की हैं, जिसमें इन आतंकियों की सूचना देने वाले को 20 लाख इनाम देने का ऐलान किया गया है। साथ ही कहा गया है कि आतंकियों की सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

सीबीएसई बोर्ड 10वीं में 93.66% बच्चे उत्तीर्ण

नई दिल्ली। सीबीएसई बोर्ड ने 12वीं के बाद अब 10वीं के नतीजों की भी घोषणा कर दी है। सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10वीं में 93.66 फीसदी बच्चे पास हुए हैं। छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 95% और छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 92.63% रहा। सभी क्षेत्रों में 99.79 फीसदी पास प्रतिशत के साथ त्रिवेंद्रम सबसे आगे रहा।

बोर्ड द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, इस बार हाईस्कूल की परीक्षा के लिए कुल 23,85,079 विद्यार्थी पंजीकृत थे। कुल 23,71,939 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 22,21,636 ने परीक्षा उत्तीर्ण की। इस प्रकार कुल पास प्रतिशत 93.66 दर्ज किया गया है।

कक्षा 10वीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले शीर्ष 0.1 प्रतिशत छात्रों को मेरिट प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

पंजाब में जहरीली शराब से 21 लोगों की मौत

8 लोगों की हालत अभी भी गंभीर, 10 गिरफ्तार, 4 अधिकारी सस्पेंड

एजेंसी ● चंडीगढ़

पंजाब में अमृतसर के मजीठा विधानसभा क्षेत्र के 5 गांवों में जहरीली शराब पीने ने मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 पहुंच गई है। आठ लोगों की हालत अभी भी गंभीर है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए हैं और पीड़ित परिवारों को 10-10 लाख रुपए सहायता राशि देने का ऐलान किया है।

जहरीली शराब कांड में बड़ा खुलासा हुआ है कि इसकी शिकायत लोगों ने दो माह पहले ही पुलिस को दी थी लेकिन कार्रवाई नहीं की गई। अब इतने बड़े हादसे के बाद सरकार ने मजीठा पुलिस के डीएसपी अमोलक सिंह, एसएचओ अवतार सिंह, एक्साइज विभाग के ईटीओ मनीष गोयल व इंस्पेक्टर गुरजीत सिंह को निलंबित कर दिया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि जहरीली शराब मेथेनॉल से तैयार की गई थी। पुलिस ने रैकेट के मास्टरमाइंड समेत दस आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि साहिब सिंह साहिल केमिकल्स फर्म से ऑनलाइन मेथेनॉल मंगवाता था और इससे शराब तैयार की जाती थी। लुधियाना के सुख एनक्लेव में साहिल केमिकल्स के संचालक पंकज कुमार उर्फ साहिल और अरविंद कुमार के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

मृतकों के बच्चों की शिक्षा का प्रबंध भी सरकार करेगी: सीएम

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मृतकों के बच्चों की शिक्षा का प्रबंध भी सरकार करेगी। रोजगार भी उपलब्ध करवाया जाएगा। सीएम ने कहा कि जहरीली शराब से मौतें नहीं, हत्याएं हुई हैं। तो दूसरी ओर 21 लोगों की मौत पर कांग्रेस-बीजेपी और अकाली दल ने आम आदमी पार्टी की सरकार को निशाने पर लिया है।

सिंगल विंडो सुविधा से सहकारी समितिओं, निवेशकों और किसानों को मिलेगा त्वरित समाधान : मंत्री सारंग

प्रदेश में सीपीपीपी मॉडल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये ''सीपीपीपी विंग'' की स्थापना

केंद्रीय मंत्री अमित शाह के निर्देशों के परिपालन में मंत्री सारंग ने की समीक्षा

संवाददाता ● भोपाल

समीक्षा

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि प्रदेश में सीपीपीपी मॉडल के अंतर्गत इन्वेस्टर्स समिट में हुए एमओयू के प्रभावी क्रियान्वयन और सुनियोजित मॉनिटरिंग के लिये एक विशेष "सीपीपीपी विंग" की स्थापना की जाए। यह सीपीपीपी विंग न केवल निजी निवेशकों, सहकारी समितियों और किसानों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम के रूप में कार्य करेगा, बल्कि इसके माध्यम से सभी प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाएगा। मंत्री श्री सारंग ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के निर्देशों के परिपालन में मंगलवार को मंत्रालय में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (सीपीपीपी) मॉडल की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये है कि इस विंग के लिए पृथक कार्यालय स्थापित किया जाए तथा इसके माध्यम से एमओयू की प्रगति की सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए।

बैठक में सीपीपीपी मॉडल के सफल एवं धरातलीय क्रियान्वयन तथा सहकारी क्षेत्र में निजी निवेश को

प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में प्रबंध संचालक विपणन संघ श्री आलोक कुमार सिंह, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक श्री मनोज पुष्प सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंगल विंडो सुविधा से सहकारी समितिओं, निवेशकों और किसानों को मिलेगा त्वरित समाधान मंत्री श्री सारंग ने कहा कि "सीपीपीपी विंग" किसानों, सहकारी समितियों तथा निजी निवेशकों की समस्याओं के समाधान के लिये सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा। यह प्लेटफॉर्म निवेश संबंधी आवश्यक अनुमतियों, प्रक्रियाओं एवं मार्गदर्शन के लिए एक एकीकृत व्यवस्था उपलब्ध कराएगा। इसके अंतर्गत सहकारी बैंकों, समितियों, किसानों व निजी उद्यमियों के मध्य एमओयू की प्रक्रिया को सुलभ और पारदर्शी बनाया जाएगा।

सीपीपीपी विंग भारतीय उद्योग परिसंघ व एमपीआईडीसी के साथ करेगा समन्वय – मंत्री सारंग ने कहा कि "सीपीपीपी विंग" की कार्यप्रणाली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के साथ समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह विंग केंद्र एवं राज्य सरकार की सहकारी योजनाओं के साथ जुड़कर किसानों, नव उद्यमियों और सहकारी संस्थाओं को योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

कच्चा माल उत्पादक किसानों के लिये प्रशिक्षण कार्यशालाओं और वृहद सेमिनार

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सहकारी क्षेत्र में कच्चे माल का उत्पादन करने वाले किसानों के लिए मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए। इसका उद्देश्य उत्पादन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना और किसानों को तकनीकी ज्ञान से सशक्त बनाना होगा। इसके साथ ही प्रदेश में एक वृहद सेमिनार का आयोजन भी किया जाए, जिसमें सफल सहकारी उद्यमियों, संस्थाओं और श्रेष्ठ कार्य करने वाले किसानों को आमंत्रित किया जाएगा ताकि सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों और अनुभवों का आदान-प्रदान हो सके।

प्रदेश की सहकारी समितियों की परफॉर्मेंस आधारित ग्रेडिंग होगी- मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश की सभी सहकारी समितियों की ग्रेडिंग की जाए। यह ग्रेडिंग समितियों की वित्तीय स्थिति, प्रबंधन की पारदर्शिता, सेवाओं की गुणवत्ता, लाभांश वितरण और कृषकों एवं सदस्यों को दी जा रही सुविधाओं के आधार पर की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस ग्रेडिंग प्रणाली के माध्यम से समितियों की कार्यप्रणाली, पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन, सदस्य संतुष्टि और नवाचार की क्षमताओं का मूल्यांकन किया जा सकेगा।

शॉट न्यूज

इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर किया ब्लैकमेल

इंदौर। मल्हारगंज इलाके में इंस्टाग्राम पर युवक का फर्जी आईडी बनाकर ब्लैकमेल करने के मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी ने गर्ल फ्रेंड के साथ उसके फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवक से रुपए की मांग की गई। पुलिस ने शकरगंज निवासी 21 वर्षीय युवक की शिकायत पर अज्ञात आरोपी पर आईटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने मेरे निजी फोटो का दुरुपयोग कर एक फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बना ली। उक्त फर्जी इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर मेरा निजी फोटो जो मेरी गर्लफ्रेंड के साथ है, को बतौर डीपी अपलोड किया है। इस आईडी से मेरी निजी इंस्टाग्राम आईडी पर मैसेज भेजकर मुझे ब्लैकमेल कर कर रहा है। उसने धमकी देकर एक क्यूआर कोड भेजा, जिसके जरिये मुझसे 20 हजार रुपये की डिमांड की गई। पैसे न देने पर मेरे निजी फोटो को वायरल कर देने की धमकी दी है।

शादी का झांसा देकर करता रहा दुष्कर्म, वादे से मुकरा

इंदौर। भंवरकुआं इलाके में एक युवती से शादी का वादा कर आरोपी उसे लिव इन रिलेशनशिप में रखकर दुष्कर्म करता रहा। बाद में शादी के वादे से मुकर गया और कहने लगा मैंने अन्य युवती से शादी कर ली। धोखे का शिकार हुई युवती ने अब पुलिस की शरण लेते हुए केस दर्ज करवाया हैं। भंवरकुआं पुलिस ने मूलरूप से बुरहानपुर की रहने वाली 25 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर विजय पटेल पिता माखनलाल पटेल निवासी धन्नड़ के खिलाफ केस दर्ज किया गया हैं। पुलिस के मुताबिक पीड़िता शहर के खातीवाला टैंक क्षेत्र के एक हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही हैं। पीड़िता ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि आरोपी ने मुझसे बोला मैं तुमको पसंद करता हूं। उसके बाद उज्जैन के एक होटल मे ले जाकर आरोपी ने शारीरिक संबंध बनाए, जिसके बाद आरोपी राऊ में लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगा।

रेल संपत्ति चोरी के दो आरोपी और एक कबाड़ी गिरफ्तार

आरपी (यू) पी एक्ट के तहत मामला दर्ज

संवाददाता ● भोपाल

सुरक्षा

मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री प्रशांत यादव के निर्देशन में रेल संपत्ति की सुरक्षा एवं चोरी रोकने हेतु चलाए जा रहे सतत अभियान के तहत रेल सुरक्षा बल द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

आरपीएफ पोस्ट भोपाल की टीम : उप निरीक्षक अवधेश कुमार, आरक्षक मनीष और आरक्षक कृष्ण कुमार – द्वारा भोपाल यार्ड में गश्त के दौरान मंडल स्टोर के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को सफेद प्लास्टिक की बोरी में वजनी सामान ले जाते हुए पकड़ा गया। पूछताछ

पर दोनों ने अपना नाम जाफर शाह एवं मोहित राजपूत बताया। बोरी की तलाशी लेने पर उनके पास से चार नग रेलवे के लोहे के पट्टे बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने लगभग 8-10 दिन पहले प्लेटफार्म नंबर 3 की नाली से लोहे की जाली और एक लोहे की पट्टी भी चुराई थी, जिसे उन्होंने हाउसिंग बोर्ड स्थित कबाड़ी सलमान उर्फ गब्बर को बेच दिया था। दोनों आरोपियों की निशानदेही पर कबाड़ी सलमान से पूछताछ की गई, जिसने चोरी का सामान खरीदने की बात स्वीकार की। उसकी दुकान से रेलवे जाली और टाईबार के टुकड़े बरामद किए गए, जिनकी मौके पर वीडियोग्राफी की गई। आरपीएफ टीम ने विधिवत कार्यवाही करते हुए आरोपियों को पोस्ट लाकर उनके अपराध स्वीकारोक्ति बयान दर्ज किए और तीनों – जाफर शाह, मोहित राजपूत और सलमान उर्फ गब्बर – के विरुद्ध आरपी(यू)पी एक्ट की धारा 3A के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। रेल प्रशासन यात्रियों और आम नागरिकों से अपील करता है कि रेल संपत्ति की सुरक्षा में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम आरपीएफ पोस्ट या हेल्पलाइन नंबर 139 पर दें।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 'यूनियन वेलनेस डिपॉजिट' का शुभारंभ

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में खुदरा ग्राहकों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन की गई, अपनी नई और नवोन्मेषी अवधि जमा योजना 'यूनियन वेलनेस डिपॉजिट' का शुभारंभ किया गया। यूनियन वेलनेस डिपॉजिट को अवधि जमा उत्पाद के साथ स्वास्थ्य बीमा को सहजता से एकीकृत करके धनर्जन और स्वास्थ्य सुरक्षा दोनों को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके अतिरिक्त, यह रुपे सेलेक्ट डेबिट कार्ड के माध्यम से कई प्रकार के जीवनशैली लाभ प्रदान करता है। यह योजना 18 से 75 वर्ष की आयु के निवासी व्यक्तियों के लिए व्यक्तिगत या संयुक्त रूप से उपलब्ध है। संयुक्त खातों के लिए, केवल प्राथमिक खाताधारक ही बीमा कवरेज के लिए पात्र होंगे। इसमें न्यूनतम जमा राशि 10।00 लाख और अधिकतम 3 करोड़ है, जिसमें समय से पहले बंद करने और जमा पर ऋण की सुविधा है। इस योजना की अवधि 375 दिन है और यह 6।75% प्रति वर्ष की आकर्षक ब्याज दर प्रदान करती है, साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए 0।50% अतिरिक्त ब्याज भी प्रदान करती है। इस उत्पाद की एक विशिष्टता 375-दिन के सुपर टॉप-अप स्वास्थ्य बीमा कवर का समावेशन है, जो कैशलेस अस्पताल में भर्ती होने की सुविधा के साथ 5।00 लाख की बीमा राशि प्रदान करता है। शुभारंभ करते हुए, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सुश्री ए। मणिमेखलै ने बताया, 'यूनियन वेलनेस डिपॉजिट का शुभारंभ हमारे मूल्यवान ग्राहकों को नवोन्मेषी और प्रीमियम बैंकिंग अनुभव प्रदान करने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रथम पेशकश के रूप में, यह उत्पाद स्वास्थ्य देखभाल लाभों की एक श्रृंखला के साथ धनर्जन को जोड़ता है'।

एक अनूठी 375-दिवसीय खुदरा अवधि जमा योजना

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए

नया फिक्स्ड रेट नॉन-होम लोन प्रॉडक्ट लॉन्च किया

संवाददाता ● मुंबई

लोन

भारत की तीसरी सबसे बड़ी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने एक नया फिक्स्ड रेट नॉन-होम लोन प्रॉडक्ट पेश किया है। इस लोन के जरिए ग्राहक अब संपत्ति के बदले ऋण, वाणिज्यिक भूखंड खरीद, भूखंड के बदले ऋण और लीज रेंटल डिस्काउंटिंग जैसी सुविधाएं ले सकते हैं, वो भी 10% से शुरू होने वाली निश्चित ब्याज दर पर। इस नए समाधान का उद्देश्य ग्राहकों को उनकी पात्रता मानदंडों के आधार पर ऋण तक आसान पहुँच को संभव बनाना है।

- **लोन की अवधि अधिकतम 15 साल तक होगी**
- **अब ग्राहक 10% से शुरू होने वाली निश्चित ब्याज दर पर नॉन-होम लोन ले सकते हैं**

बंधक आधारित लोन पर निश्चित ब्याज दर होने से ग्राहकों को अपने वित्तीय भविष्य की योजना बनाने में आसानी होती है, क्योंकि इसमें ब्याज दरों के उतार-चढ़ाव या लोन अवधि बढ़ने का जोखिम नहीं होता। पीएनबी हाउसिंग का यह फिक्स्ड रेट नॉन-होम लोन उत्पाद 15 साल तक की पुनर्भुगतान अवधि के साथ आता है, जिससे आसान ईएमआई और लंबी अवधि की वित्तीय योजना संभव होती है। इसके साथ ही, ग्राहक जल्दी प्रोसेसिंग, अपनी जरूरत के अनुसार पात्रता मानदंड और घर बैठे सेवा जैसी सुविधाओं का भी लाभ उठा सकते हैं, जिससे लोन लेना आसान और बिना किसी झंझट के हो जाता है। इस मौके पर पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस के एमडी और सीईओ श्री गिरीश कौसगी ने कहाः 'भारत में लोन से जुड़े नियम और तरीके तेजी से बदल रहे हैं। लोग अब स्थिर और भरोसेमंद लोन विकल्प चाहते हैं। स्थिर और पारदर्शी क्रेडिट विकल्पों की बढ़ती मांग को देखते हुए, हम अपने फिक्स्ड रेट नॉन-होम लोन समाधान पेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं, जो उधारकर्ताओं के लिए अधिक वित्तीय स्थिरता के साथ सुरक्षित ऋण प्रदान करता है। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस में, हमारा उद्देश्य बाजार की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करना और अपने ग्राहकों को नवीन और बेहतर, उत्तरदायी वित्तीय समाधानों के माध्यम से सशक्त बनाना है, जो विकास और सुरक्षा दोनों को बढ़ावा देते हैं।'

वर्तमान में पीएनबी हाउसिंग के कुल रिटेल लोन में से करीब 28.5% नॉन-होम लोन हैं, जिसकी औसत टिकट साइज 27 लाख (31 मार्च 2025 तक) है। यह लॉन्च पीएनबी हाउसिंग के व्यापक उद्देश्य का हिस्सा है, जिसके तहत वह देश भर में अपनी 356 शाखाओं के नेटवर्क के माध्यम से ग्राहक-केंद्रित समाधान प्रदान करते हुए इस पोर्टफोलियो को मजबूत करना चाहता है। कंपनी लगभग चार दशकों की विरासत के साथ वित्तीय समावेशन को सुलभ और नवोन्मेषी समाधानों के माध्यम से बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

एमसीयू में 'मल्टीमीडिया पत्रकार कैसे बनें'' विषय पर कार्यशाला सम्पन्न

संवाददाता ● भोपाल

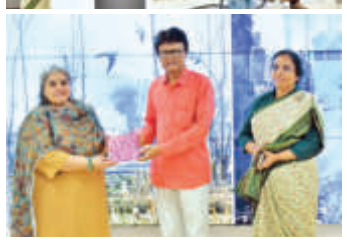

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के नवीन मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग में 'मल्टीमीडिया पत्रकार कैसे बनें' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की, जबकि मुख्य वक्ता श्वेता खन्ना भंडराल ने मल्टीमीडिया पत्रकार बनने के लिए जरुरी टिप्स दिए। कार्यशाला का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पी. शशिकला ने किया। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों को वर्तमान समय में मल्टीमीडिया पत्रकारिता में चुनौतियां एवं इसमें अवसरों के बारे बताया। उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता में बहुत बदलाव आ गया है इसलिए विद्यार्थियों को हर पल अपडेट रहना चाहिए। मुख्य वक्ता श्वेता खन्ना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का उदाहरण देते हुए डिजिटल न्यूज़रूम की कार्यशैली को समझाया। साथ ही उन्होंने मीडिया के बदलते स्वरूप, इसके संचालन और इसमें करियर एवं आय के अवसरों पर भी जानकारी दी।विद्यार्थियों की भागीदारी से विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विषय को व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत किया गया।

सुश्री खन्ना के द्वारा डाटा एवं उसकी सत्यता, शूटिंग तकनीकों और उससे संबंधित प्रायोगिक कार्यों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद उन्होंने ने विद्यार्थियों के कार्य की समीक्षा करते हुए उपयोगी सुझाव भी दिए। विभागाध्यक्ष ने वक्ता की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को संबोधित किया और कार्यशाला की महत्वत्ता के बारे में बताया।

विगत दिवस आयोजित कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षकों को डिजिटल मीडिया न्यूज़रूम की कार्य व्यवस्था, मल्टीमीडिया पत्रकार की भूमिका और खबरों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की विधियों से अवगत कराना था। कार्यशाला का समापन विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पी. शशिकला के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। आयोजन समिति ने सभी प्रतिभागियों, सहयोगियों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विभाग के समस्त विद्यार्थी, शिक्षक एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप फार्मेसी पाठ्यक्रम में बदलाव पर कार्यशाला संपन्न

संवाददाता ● भोपाल

सेज यूनिवर्सिटी भोपाल में फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 'बैचलर ऑफ फार्मेसी के पाठ्यक्रम संशोधन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप फार्माकोलॉजी विषय के पाठ्यक्रम को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। कार्यशाला का शुभारंभ दोपहर 2:30 बजे हुआ, जिसमें सेज यूनिवर्सिटी के कुलपति की गरिमामयी उपस्थिति रही। उद्घाटन सत्र में डॉ. दीपेन्द्र कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि अब पुराने पाठ्यक्रम को पूरी तरह समाप्त कर नई पीढ़ी के लिए एक नवीन, व्यावहारिक और शोधोन्मुख पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी सत्र से चार नए वैकल्पिक विषयों (इलेक्टिव्स) को भी जोड़ा जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को अपनी रुचियों के अनुसार विशेषज्ञता चुनने का अवसर मिलेगा। कार्यशाला के तकनीकी सत्र का संचालन प्रोफेसर सुमानी ने किया। उन्होंने एन.ई.पी 2020 की अवधारणा और उसके मसौदे पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पहले सेमेस्टर से लेकर चौथे सेमेस्टर तक सभी छात्रों के लिए सामान्य पाठ्यक्रम लागू रहेगा, जिसके बाद पाँचवें सेमेस्टर से वैकल्पिक विषयों का समावेश किया जाएगा। सातवें और आठवें सेमेस्टर पूरी तरह से छात्र द्वारा चुने गए विषय और अनुसंधान कार्य पर केंद्रित रहेंगे, जिससे छात्र अपने करियर की दिशा तय कर सकें। साथ ही, उन्होंने बताया कि छात्रों के लिए नए क्रेडिट पॉइंट सिस्टम को भी लागू किया गया है, जो उनकी अकादमिक प्रगति को मापने का एक सटीक मानक होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षा प्रणाली में लचीलापन, व्यावसायिकता, और अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाई गई है। यह नीति छात्रों को बहुआयामी विकास के अवसर प्रदान करती है और उन्हें अपने भविष्य की दिशा चुनने की स्वतंत्रता देती है। इस कार्यशाला का आयोजन इसलिए महत्वपूर्ण रहा क्योंकि यह न केवल फार्मेसी शिक्षा को अधिक उद्योगोन्मुख और शोध-आधारित बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है, बल्कि यह एन.ई.पी 2020 के क्रियान्वयन की दिशा में संस्थानों की सक्रिय भागीदारी का भी प्रतीक है।

शूटिंग सेंटर शुरू करने के लिए लक्ष्य शूटिंग क्लब के साथ की साझेदारी

एक्सिस बैंक ने नवी मुंबई में एक हाई-परफॉरमेंस

संवाददाता ● मुंबई

भारत के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने देश के खेल परितंत्र को मज़बूत करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप नवी मुंबई में अत्याधुनिक 'एक्सिस बैंक लक्ष्य शूटिंग क्लब हाई परफॉरमेंस सेंटर' (एचपीसी) स्थापित करने के लिए लक्ष्य शूटिंग क्लब (एलएससी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया। एक्सिस बैंक के ग्रुप एक्जीक्यूटिव & हेड – होलसेल बैंकिंग कवरेज & सस्टेनेबिलिटी, श्री विजय मुलबागल और लक्ष्य शूटिंग क्लब की चेयरमैन, सुश्री सुमा शिरूर ने मुंबई में बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

यह विशेष शूटिंग सेंटर उभरते निशानेबाजों को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, व्यापक एथलेटिक विकास कार्यक्रम और सामुदायिक जुड़ाव गतिविधियां प्रदान करेगा। यह ओलंपिक स्तर के शीर्ष निशानेबाजों को भी तैयार करेगा, और संभावित प्रतिभाओं की खोज के लिए एक खुला और समावेशी मंच बनाने का प्रयास करेगा। इस सहयोग का उद्देश्य भारत को निशानेबाजी खेलों में उत्कृष्टता के लिए वैश्विक मानचित्र पर लाना है।

लक्ष्य शूटिंग क्लब, देश भर के युवा निशानेबाजों के लिए एक प्रसिद्ध प्रशिक्षण केंद्र है और इसकी स्थापना ओलंपियन और अर्जुन तथा द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता, सुश्री सुमा शिरुर ने की है। सुमा ने भारतीय राष्ट्रीय निशानेबाजी टीम को पेरिस ओलंपिक 2024 में ऐतिहासिक पदक जीतने के लिए प्रशिक्षित किया है। एक्सिस बैंक इस समझौता ज्ञापन के तहत, लक्ष्य शूटिंग क्लब को एक समग्र केंद्र स्थापित करने के लिए वित्तीय और विकासात्मक सहायता प्रदान करेगा, जिसमें शामिल होंगेः

- एयर राइफल, एयर पिस्टल और सिमुलेटेड 50 मीटर राइफल के लिए दो उन्नत शूटिंग रेंज
- प्रदर्शन विश्लेषण, चोट की रोकथाम और रिकवरी सहायता के साथ एक एकीकृत खेल विज्ञान केंद्र
- एथलीटों की भावनात्मक और मानसिक भलाई का समर्थन करने के लिए खेल मनोविज्ञान इकाई
- एथलीटों और कोचों के लिए आवासीय आवास और अतिरिक्त प्रशिक्षण सुविधाएं

इस केंद्र में सालाना 400 से अधिक एथलीटों के आने की उम्मीद है, जिसमें रेजिडेंट और गैर-रेजिडेंट दोनों तरह के प्रतिभागी शामिल होंगे। इसे हर तरह के प्रतिभागियों की आसान पहुंच के लिए तैयार किया गया है और यह पैरा-फ्रेंडली है, जो पैरा-एथलीटों का समर्थन करता है, जिनमें वे लोग भी शामिल होंगे जो पहले ही पैरालिंपिक और डेफलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

एक्सिस बैंक के ग्रुप एक्जीक्यूटिव & हेड

होलसेल बैंकिंग कवरेज & सस्टेनेबिलिटी, विजय मुलबागल ने इस मौके पर कहा, "हमें भारतीय खेलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने पर गर्व है। हम भारत में विश्व स्तरीय शूटिंग बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए लक्ष्य शूटिंग क्लब के साथ साझेदारी कर रहे हैं। हमारा मानना है कि यह केंद्र हमारे शीर्ष निशानेबाजों को ओलंपिक स्तर पर सफल बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा और भारत में अगली पीढ़ी की शूटिंग प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें विकसित करने में भी मदद करेगा।"

उमस और बारिश की दोहरी मार

नौतपा से पहले मौसम ने बदला अपना मिजाज

संवाददाता ● इंदौर

शहर में दिन और रात दोनों समय के तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पिछले दिनों हुई लगभग सवा इंच बारिश का असर अब उमस के रूप में सामने आ रहा है। रविवार को दिनभर तेज उमस का अनुभव किया गया, जिससे आम जनजीवन प्रभावित रहा। सोमवार सुबह से मौसम साफ बना हुआ है। मौसम विभाग ने आज इंदौर और आसपास के इलाकों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। रविवार को इसमें हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जहां दिन का तापमान 35.9 डिग्री और रात का तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से क्रमशः 4 डिग्री और 1 डिग्री अधिक रहा।

मौसम

नौतपा में सामान्य से कम रह सकती है गर्मी

इस वर्ष 25 मई से शुरू होने वाले नौतपा का असर पहले से ही चर्चा में है। नौतपा की यह अवधि 3 जून तक चलेगी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार नौतपा के दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से कम रह सकता है। इसका मुख्य कारण 20 मई से सक्रिय होने वाला वेस्टर्न डिस्टर्बेंस है, जो तापमान को प्रभावित करेगा। इसी वजह से मई महीने में अधिकतम तापमान औसत से नीचे बने रहने की संभावना है।

भीषण गर्मी से बचाव के लिए इस तरह जतन करना पड़ रहे हैं।

प्री-मानसून की गतिविधियों से बदलेगा मौसम

1 जून के बाद प्री-मानसून की गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है, जिससे तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। इस बार की गर्मी अब तक अपेक्षाकृत कमजोर साबित हो रही है। केवल अप्रैल में अधिकतम तापमान 42.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा था, जो इस सीजन का उच्चतम रिकॉर्ड है। इसके अलावा पूरे मौसम में गर्मी का असर सीमित रहा है।

प्रदेशभर में हल्की बारिश गरज-चमक की संभावना

वर्तमान में कुछ मौसम प्रणाली सक्रिय हैं, जिनकी वजह से प्रदेश के मौसम में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इंदौर में सोमवार को तेज हवा चलने और हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। पूरे प्रदेश में 14 मई तक गरज-चमक और हल्की बारिश की स्थिति बनी रह सकती है। इसके बाद तापमान में वृद्धि होने की आशंका है, जिससे गर्मी दोबारा असर दिखा सकती है।

शॉट न्यूज

जिलाबदर बदमाश इलाके में घूमता मिला

इंदौर। सांवेर इलाके में जिलाबदर एक गुंडा इलाके में ही घूमता मिला। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके खिलाफ आगे की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। थाना सांवेर पुलिस के मुताबिक पकड़े गए बदमाश का नाम शाकिर उर्फ जगीरा पिता अकरम खान निवासी वार्ड क्रमांक 2 सावेर है। पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर आरोपी को कुडाना रोड कलाली के पास घेराबंदी कर धरदबोचा। इसके खिलाफ जिलाबदर आदेश जारी हुआ था। इसके बावदूद वह बिना अनुमति के क्षेत्र में घूम रहा था।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

इंदौर। सांवेर इलाके में तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। थाना सांवेर पुलिस के मुताबिक हादसा गत दिवस रात 10.15 बजे इंदौर-सांवेर रोड पर कपिल मार्ट के सामने हुआ। मृतक का नाम संजय पिता गब्बूलाल देवडा निवासी ग्राम तराना है। पुलिस ने ट्रक नंबर एचआर 39 सी 0553 के चालक पर केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ट्रक चालक ने 8 मई की रात 10.15 बजे अपने वाहन को तेजगति और लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए युवक की बाइक को पीछे से टक्कर मार दी थी। हादसे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पति ने गला घोंटकर पत्नी को उतारा मौत के घाट

इंदौर। सिमरोल इलाके में महिला की हत्या में पुलिस ने पति और एक परिचित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पति ने पुलिस को इससे पहले झूठी कहानी बताकर गुमराह करने का प्रयास किया था। सिमरोल पुलिस के मुताबिक घटना ग्राम लोहार पिपल्या की है। गत दिवस महिला संगीता पति विजय परमार (45) की संदेहास्पद मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटे जाने से मौत होना पाया गया। पुलिस ने पति विजय परमार को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। उसने पुलिस को ये बताया था कि रात 11 बजे मैं और पत्नी सो रहे थे। तभी गांव के एक युवक का नौकर रूपेश और उसके साथी घर पर आए और मुझे पकड़कर दूर पेड़ से बांध दिया। इसके बाद वे घर में चोरी करने गए। इसके बाद मुझे कुछ पता नहीं। सुबह मैंने हाथ-पैर छुड़ाए तो तब पता चला एक आरोपी ने मेरी पत्नी का गला घोंट दिया था। इधर, जांच में पुलिस को पता चला हत्या रात करीब 12 बजे हुई, जबकि विजय रात 3 बजे गांव में गया था। इस बीच पुलिस को ये भी पता चला कि रात को दंपती में झगड़ा हुआ था। पुलिस शक के तौर पर कड़ी पूछताछ और अन्य बिंदुओं पर जांच की तो उसने सच उगल दिया। मृतका के गले, गाल, माथे पर चोट के निशान थे। पुलिस के मुताबिक शंका के चलते आरोपी पति ने पत्नी को गला घोंटकर मार डाला था।

इंदौर-मनमाड रेलवे लाइन पर बनने वाले डेढ़ दर्जन स्टेशन के लिए किया निरीक्षण

रेल लाइन डलने के बाद घट जाएगी इंदौर से मुंबई की दूरी

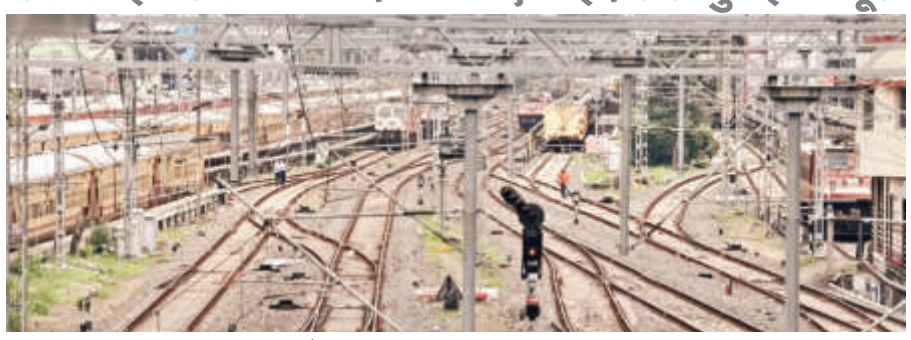

संवाददाता ● इंदौर

निरीक्षण

इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन परियोजना में इंदौर की तरफ 18 से ज्यादा नए रेलवे स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके लिए रेलवे अधिकारियों ने इंदौर- मनमाड़ परियोजना का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने नये स्टेशनों को लेकर भी जगह का चयन भी साथ में किया। उल्लेखनीय है कि इंदौर - मनमाड़ रेल लाइन निर्माण से मुंबई की दूरी 830 किमी से घटकर 568 किमी रह जाएगी। यह ट्रेन महू से होती हुई 17 स्टेशनों को पार करती हुई महाराष्ट्र बार्डर पर पहुंचेगी। पश्चिम रेलवे के अधिकारियों ने बताया इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन का काम तेजी से चल रहा है। रेल लाइन धार, खरगोन, बड़वानी जैसे आदिवासी क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। इन जिलों के तीस लाख से अधिक लोगों को इसका लाभ मिलेगा। वहीं मुंबई की दूरी भी कम हो जाएगी। इस रेल लाइन पर 16 जोड़ी पैसेंजर ट्रेन संचालित होगी। माना जा रहा है कि रेलवे को करोड़ों रुपये का राजस्व मिलेगा। 17 नये स्टेशन मध्यप्रदेश में बनेंगे। नई रेल लाइन महू से धार होते हुए धरमपुरी, ठीकरी, राजपुर, सेंधवा, सिरपुर, शिखंडी, धुले, मालेगांव होकर मनमाड़ पहुंचेगी। इंदौर - मनमाड़ रेल लाइन पर कुल 34 रेलवे स्टेशन होंगे। 17 नये स्टेशन मिलाकर कुल 18 स्टेशन होंगे। इंदौर की तरफ से महू के अलावा कैलोद, कमदपुर, झाड़ीबड़ोदा, सरायतालाब, नीमगढ़, चिक्तया, ग्यासपुरखेड़ी, पोठड़ा, जरवाह, अजदीप, अधाड़ी, उसमारी, जिलवानिया, सलीकला, बनीहार्ट, बवादड़ और मालवा स्टेशन महाराष्ट्र बार्डर पर जाकर बनेगा। इसके बाद महाराष्ट्र के रेलवे स्टेशन प्रारंभ हो जाएंगे।

अवैध वसूली की शिकायतें दूर करने के लिए उठाया कदम

बॉडीवार्न कैमरे के सामने पुलिस करेगी वाहनों की चेकिंग

इंदौर। वाहन चेकिंग के दौरान अवैध वसूली की शिकायतें दूर करने के लिए अब बॉडीवार्न कैमरे की मदद ली जाएगी। इसके लिए करीब 350 से अधिक बॉडीवार्न कैमरे पुलिस और अन्य विभागों को सौंप गए हैं। इसके अंतर्गत अब किसी भी वाहन की जांच के लिए बाडीवार्न कैमरे पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों दिए जा रहे हैं। इसके बिना जांच नहीं की जा सकेगी। अधिकारियों के अनुसार मई अंत तक इन कैमरों को डाकिंग स्टेशन से जोड़ दिया जाएगा इसके बाद बॉडीवार्न कैमरे लाइव फीड देने लगेंगे। इसके बाद अफसर कहीं से भी किसी भी चेकिंग पाइंट को लाइव देख सकेंगे। डाकिंग स्टेशन का मतलब ऐसा स्थान जहां बाडीवार्न कैमरों को चार्ज करने के लिए उपकरण लगाए जा रहे हैं। साथ ही कैमरों का डाटा ही उपकरणों में खुद ब खुद ट्रांसफर हो जाएगा। अभी पंद्रह जिलों से रिकार्डिंग आना शुरु हो गई है। चेकिंग के दौरान कम से कम दो बाडीवार्न कैमरे चालू हैं। इसमें से एक कैमरा लाइव मोड पर रहेगा और दूसरा कर्मचारी को क्रमवार आवंटित किया जाएगा। इससे किसी भी प्रकार की हरकत और बोले गये शब्द टेप हो जाएंगे। इसी के साथ ही लिमिट द्वारा एक बार में एक ही वाहन रोका जा सकेगा। उसके बाद ही दूसरा वाहन रोका जाएगा। किसी वाहन को बिना कारण 15 मिनिट से ज्यादा रोका तो माना जाएगा कि अधिकारियों की मंशा सही नहीं है।

नवलखा-नेमावर रोड व्यापारी संघ का आयोजन, तीन इमली चौराहे पर मंदिर में होगी प्राण-प्रतिष्ठा

मां अंबे की निकलेगी शोभायात्रा, हजारों मातृशक्तियां होंगी शामिल

संवाददाता ● इंदौर

नवलखा-नेमावर रोड व्यापारी संघ के तत्वावधान में आज शाम 4 बजे नवलखा चौराहा से अम्बे मां की भव्य शोभायात्रा व कलश यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा में आसपास के रहवासियों के साथ ही बड़ी संख्या में व्यापारी वर्ग भी परिवार सहित शामिल होंगे। तीन इमली बस स्टैंड पर नवनिर्मित मंदिर में 10 मई से विद्वान पंडितों के सान्निध्य में प्राण-प्रतिष्ठा की विधियां यजमान परिवारों द्वारा की जा रही है। तीन दिवसीय महोत्सव के अंतिम दिन अंबे मां की भव्य शोभायात्रा नवलखा क्षेत्र से तीन इमली तक निकाली जाएगी। यात्रा का मार्ग 2 किलोमीटर रहेगा जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठन मंच से शोभायात्रा का स्वागत-सत्कार करेंगे।

नवलखा नेमावर रोड़ व्यापारी संघ एवं एमआईसी सदस्य और पार्षद मनीष शर्मा (मामा) ने बताया कि तीन इमली बस स्टैंड पर अंबे माता मंदिर का निर्माण व्यापारियों व आमजनों के सहयोग से किया गया है। 10 मई से अंबे माता की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा जारी है। जिसमें विद्वान पंडितों के सान्निध्य में जलाधिवास, अन्नाधिवास, फलाधिवास, घृताधिवास, शयनाधिवास सहित सभी विधियां की जा रही है। महोत्सव के अंतिम भव्य शोभायात्रा नवलखा चौराहे से निकाली जाएगी। जिसमें मातृशक्तियां अपने सिर पर कलश धारण करेंगी साथ ही यात्रा में आसपास के रहवासियों सहित व्यापारी वर्ग परिवार सहित इस यात्रा में शामिल होंगे। शोभायात्रा नवलखा चौराहे से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए तीन ईमली चौराहे पहुंचेगी जहां इस यात्रा का समापन होगा।

शोभायात्रा में 50 से अधिक विभिन्न सामाजिक संस्थाओं व संगठन मंच लगाकर यात्रा का स्वागत सत्कार करेंगे। शोभायात्रा में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, आकाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, विधायक गोलू शुक्ला, मधु वर्मा, रमेश मैंदोला, उषा ठाकुर, राजेंद्र राठौर सहित सामाजिक व धार्मिक क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियां शिरकत करेंगी।

10 हजार लोगों के लिए होगी महाप्रसादी

नवलखा नेमावर रोड़ व्यापारी संघ एवं एमआईसी सदस्य और पार्षद मनीष शर्मा (मामा) ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतिम दिन 10 हजार लोगों के लिए महाप्रसादी का आयोजन किया गया है। वहीं भक्तों की सुविधा के लिए अलग-अलग समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां भी सौंपी गई है। महाप्रसादी के दौरान व्यापारी वर्ग व कार्यकर्ता भक्तों से थाली में जूठन नहीं छोड़ने का आग्रह भी करेंगे।

तालाब गहरीकरण को रायकुंडा में जुटे सैकड़ों सेवाभावी

संवाददाता ● इंदौर

अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार इंदौर जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी के तहत इंदौर जिले के रायकुंडा ग्राम में आज जनजातीय परंपरा हलमा के आयोजन में सैकड़ों ग्रामीणों ने सहभागिता कर तालाब गहरीकरण के लिए श्रमदान किया। इस अवसर पर प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने ग्रामवासियों को कई विकास कार्यों की सौगातें दीं। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचीन देवी पूजन के साथ हुई। अपने संबोधन में मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आमजन की सक्रिय भागीदारी भी अत्यंत आवश्यक है।

हलमा जैसी परंपराएं सामूहिक सहयोग की उत्कृष्ट मिसाल हैं और इन्हें पुनः जीवित करना समय की मांग है। मंत्री डॉ. शाह ने रायकुंडा में स्थित 11वीं सदी के प्राचीन कुंड के पुनर्निर्माण और एक भव्य माता मंदिर की स्थापना के लिए केंद्र सरकार एवं पुरातत्व विभाग से चर्चा करने की बात कहीं। उन्होंने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्र को एक धार्मिक-आध्यात्मिक स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा की। मंत्री डॉ. शाह ने धर्मशाला निर्माण के लिए 20 लाख रुपए की स्वीकृति की घोषणा की और रायकुंडा तालाब को पर्यटन एवं रोजगार का केंद्र बनाने हेतु योजनाओं पर कार्य आरंभ करने की बात कहीं। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए अपनी निजी जमीन दान देने वाले गोलियां परमार का विशेष रूप से अभिनंदन किया।

इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने जनजातीय नायकों को दिए जा रहे सम्मान का उल्लेख करते हुए वर्तमान सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। विधायक ऊषा ठाकुर ने महिषासुरमर्दिनी स्तुति के साथ स्वागत भाषण दिया। वरिष्ठ जनप्रतिनिधि राजाराम कटारा ने हलमा परंपरा को भील जनजाति की अस्मिता का प्रतीक बताते हुए झाबुआ में इससे जुड़े सफल प्रयासों की जानकारी भी साझा की।

अधिकारी पहुंचे बरसात से पहले यदि पुल का काम पूरा नहीं हुआ, तो फिर काम हो जाएगा मुश्किल

'कल्लन की दुकान' बचाने के चक्कर में पाटनीपुरा-मालवा मिल पुल का काम अटका

संवाददाता ● इंदौर

निर्माण

पाटनीपुरा से मालवा मिल क्षेत्र के बन रहे पुल का निर्माण सप्ताह भर से ठप पड़ा है। हालांकि इस पुल का जल्द ही बनना बेहद जरूरी है। बरसात शुरू होने से पहले पुल का काम पूरा नहीं हुआ, पूरे सीजन ये रास्ता बंद रहेगा। बताया जा रहा कि राजनीतिक खींचतान, पार्षदों के बीच आपसी मतभेद और एक दुकानदार के पक्ष में उठाए कदमों ने इस पुल के निर्माण को लटका दिया। बताया जा रहा है कि अब अधिकारियों ने यहां दौरा कर स्थिति की जानकारी ली है।

जानकारी के मुताबिक पार्षद लालबहादुर वर्मा और ठेकेदार के बीच विवाद उस समय चरम पर पहुंच गया, जब पार्षद ने 'कल्लन की दुकान' को बचाने की मांग को लेकर निर्माण में हस्तक्षेप किया। इस दौरान दोनों पक्षों में तीखी बहस और अपशब्दों का प्रयोग भी हुआ। स्थिति बिगड़ने पर ठेकेदार ने काम बंद कर दिया और नया टेंडर निकालने की मांग की। व्यापारियों ने विधायक रमेश मेंदोला से मुलाकात कर मामले का निराकरण करने की अपील की है, लेकिन पांच दिन बीतने के बावजूद काम शुरू नहीं हो सका।

पार्षद राजेंद्र राठौर का कहना है कि ठेकेदार को पर्याप्त भुगतान नहीं किया गया और नगर निगम ने बिना अड़चनों को हटाए उसे काम शुरू करने को मजबूर किया। बरसात शुरू होने से पहले पुल निर्माण को पूरा करने के लिए 90 दिन का समय मांगा गया था, लेकिन काम अब तक अधूरा है। व्यापारी और लोग इस देरी से बेहद परेशान हैं और मांग कर रहे हैं कि प्रशासन जल्द हस्तक्षेप कर कार्य को पुनः शुरू कराए। यह पुल क्षेत्र की आवाजाही के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके निर्माण में अब और देरी व्यापारी बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है।

आज भारत के सामने कई और भी जरूरी मसले हैं

आज भारत के लिए क्या दांव पर है? हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। आगामी दो दशकों में हम मध्यम-आय वाले देश हो सकते हैं और तीन या चार दशकों में एक पूर्ण विकसित देश। लेकिन यह अपने आप नहीं होगा। इसके लिए हमें अपना फोकस बनाए रखना होगा, स्मार्ट नीतियां बनानी होंगी, कड़ी मेहनत करनी होगी और आगे बढ़ने में हमें राष्ट्रीय सद्भाव की भी आवश्यकता होगी। आज यही और केवल यही भारत की प्राथमिकता होनी चाहिए- पाकिस्तान नहीं। लेकिन दुर्भाग्य से हमारी आबादी का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को लेकर उत्तेजित रहता है। विभाजन के घाव, अनेक युद्धों और लगातार आतंकवादी हमलों ने पाकिस्तान के सवाल को चर्चा का केंद्र-बिंदु बनाए रखा है।

पहलगाम हमले ने निश्चित ही देश को विचलित कर दिया था। सब इसका प्रतिशोध चाहते थे। भारत ने जवाबी हमला किया और पाकिस्तान के नागरिकों या रक्षा ढांचे को नहीं, बल्कि आतंकवादी स्थलों को निशाना बनाया। इससे यह तो साफ हो गया कि हमारा मकसद पाकिस्तान को संदेश देना था, युद्ध भड़काना नहीं। लेकिन जब पाकिस्तान ने मिसाइलों, ड्रोन से जवाबी कार्रवाई की तो लगा कि हम एक फुल-स्केल युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं। शुक्र है कि संघर्ष-विराम हो गया। हालांकि यह चौंकाने वाला था कि कितने सारे भारतीय पाकिस्तान से आर-पार की लड़ाई चाहते थे। टीवी मीडिया ने भी नाटकीय सायरनों, पाकिस्तान में भारतीय सैनिकों के प्रवेश की फर्जी खबरों और कराची बंदरगाह को नष्ट करने के झूठे दावों के साथ उन्माद को बढ़ाने में योगदान दिया। सोशल मीडिया ने भी आग में घी डाला। इस पर सवाल उठाने वाले को देश-विरोधी, पाकिस्तान-समर्थक, बुजदिल करार दिया गया।

तो क्या भारत के पास पाकिस्तान जैसे विफल-देश से लड़ने के अलावा और कुछ बेहतर करने को नहीं है? क्या पाकिस्तान पर भारत की कार्रवाई आतंकवाद के खिलाफ एक संदेश के रूप में शुरू नहीं हुई थी? उसके बाद हमें एक पूर्णकालिक युद्ध की ओर क्यों बढ़ना चाहिए था? इससे क्या हासिल होता? और अगर पाकिस्तान बौखलाकर हम पर परमाणु हमला कर देता तो हम अपने कितने देशवासियों को खोने के लिए तैयार होते? एक हजार? दस हजार? एक लाख? लेकिन शुक्र है कि सरकार में शीर्ष पर ठंडे दिमाग वाले लोग बैठते हैं। हमें भी अपनी सोच को वैसा ही बनाना होगा। यह 1971 नहीं है। उस समय, भारत की प्रति व्यक्ति आय 118 डॉलर थी, जीडीपी 65 अरब डॉलर की थी और बामुश्किल 1% की दर से विकास हो रहा था। तब हमें पाकिस्तान को हराना एक राष्ट्रीय उपलब्धि की तरह लगा था, क्योंकि तब हमारे पास गर्व करने लायक और कुछ नहीं था। इसके अलावा, तब दोनों ही देशों के पास परमाणु हथियार भी नहीं थे, इसलिए युद्ध अपेक्षाकृत सीमित पैमाने पर लड़े जाते थे। लेकिन यह 2025 है। भारत में अब प्रति व्यक्ति आय 2,500 डॉलर से अधिक है और जीडीपी 3.5 ट्रिलियन डॉलर की हो चुकी है। हमारी अर्थव्यवस्था 6 से 8% की दर से बढ़ रही है, जो दुनिया में सबसे तेज है। एपल ने आईफोन के अधिकांश उत्पादन को चीन से भारत शिफ्ट करने की घोषणा की है। यह निर्णय हमारे यहां वैश्विक निवेश की लहर ला सकता है, बशर्ते हम स्थिर और सुरक्षित रहें। क्योंकि कोई भी युद्धग्रस्त देश में अरबों का निवेश नहीं करना चाहेगा। कल्पना कीजिए कि अगर हम सोशल मीडिया के युद्ध-प्रेमियों की बात मान लेते तो इसके क्या नतीजे होते? हमारे देश का विकास रुक जाता। हमारे युवाओं का भविष्य पटरी से उतर जाता। और सबसे बढ़कर, जारों भारतीयों की जान दांव पर लग जाती।उस लड़ाई में हम जीतकर भी क्या साबित करते? यह कि हमने पाकिस्तान को हरा दिया? तो क्या यही हमारे लिए बेंचमार्क है? एक फेल्ड-स्टेट पर जीत? और अगर आपको लगता है कि पाकिस्तान को युद्ध में हराने से आतंकवाद समाप्त हो जाता तो यह अतीत के युद्धों में जीत के बाद क्यों नहीं हुआ? वास्तव में पाकिस्तान से चली चंद दिनों की लड़ाई से भी सिर्फ यही हुआ कि हमने उसको सुर्खियों में ला दिया। उनके लीडरों और जनरलों को वैश्विक मीडिया का अटेंशन मिलने लगा। क्यों? क्योंकि वे भारत से लड़ाई कर रहे थे। ठीक वैसे ही, जैसे जब कोई सेलेब्रिटी किसी ट्रोल को जवाब देता है तो वह ट्रोल महत्वपूर्ण हो जाता है।

शुक्र है कि संघर्ष-विराम हो गया। हालांकि यह चौंकाने वाला था कि कितने सारे भारतीय पाकिस्तान से आर-पार की लड़ाई चाहते थे। टीवी मीडिया ने भी नाटकीय सायरनों, पाकिस्तान में भारतीय सैनिकों के प्रवेश की फर्जी खबरों और कराची बंदरगाह को नष्ट करने के झूठे दावों के साथ उन्माद को बढ़ाने में योगदान दिया। सोशल मीडिया ने भी आग में घी डाला। इस पर सवाल उठाने वाले को देश-विरोधी, पाकिस्तान-समर्थक, बुजदिल करार दिया गया। तो क्या भारत के पास पाकिस्तान जैसे विफल-देश से लड़ने के अलावा और कुछ बेहतर करने को नहीं है?

पाकिस्तान का ह्यपरमाणु मुखौटा अब उतर चुका है

पिछले दो दशकों से एक मिथक भारत और पाकिस्तान के तमाम टकरावों पर हावी रहा है- यह कि इस्लामाबाद के पास परमाणु हथियार हैं। इसकी शुरूआत 1998 में हुई थी, जब पहले भारत परमाणु शक्ति बना और उसके बाद पाकिस्तान। तब से इस्लामाबाद एक ही नैरेटिव को पकड़े हुए है। इसे रावलपिंडी के जनरलों ने गढ़ा था। यह तथ्य कि पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं, इस बात का लाइसेंस मान लिया गया कि वह आतंकवाद का निर्यात कर सकता है। 2001 के संसद हमले से लेकर 2008 के मुंबई हमलों तक, पाकिस्तान लगातार भारत को चोट पहुंचाता रहा और भारत ने भी डोजियर्स और डिप्लोमेसी के साथ सावधानी से जवाब दिया। लेकिन कभी सैन्य कार्रवाई नहीं की।

2016 के उरी हमले के बाद यह बदल गया। भारत ने नई मिसाल कायम की कि तुम हमला करोगे, तो हम पलटवार करेंगे। 2019 में- पुलवामा हमले के बाद- भारत ने इस स्थिति को और मजबूत किया। अब पहलगाम के बाद, और बड़ा बदलाव आया है। अब आतंकवाद के किसी भी कृत्य को युद्ध के रूप में देखा जाएगा। पाकिस्तान अब अपने परमाणु हथियारों के पीछे नहीं छिप सकता। उसे नतीजे भुगतने होंगे। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया। हमने उनके नागरिकों या सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना नहीं बनाया। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत नहीं चाहता था कि तनाव बढ़े।

एडिट.नोट

लेकिन पाकिस्तान इस मामले को तूल देना चाहता था और वह भी भारतीय नागरिकों पर निशाना साधकर। लेकिन उसकी तमाम कोशिशें उलटी पड़ गईं। भारत ने जोरदार जवाबी हमला किया। उसने न केवल पाकिस्तान की हवाई सुरक्षा में सेंध लगाई, बल्कि उनके परमाणु कवच के मिथक को भी जमींदोज कर दिया। भारत नो-फर्स्ट यूज पॉलिसी का पालन करता है, जिसका मतलब है कि हम अपने परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेंगे। तो पाकिस्तान के परमाणु हथियार भारत को परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से रोकने के लिए नहीं थे। वे भारत को कुछ भी करने से रोकने के लिए थे। आतंकवाद के खिलाफ किसी जवाबी कार्रवाई को एटमी युद्ध को उकसावा देने के चश्मे से देखा गया। यह लगभग एक स्ट्रैटेजिक-वीटो की तरह था। पाकिस्तान अपने युद्धों को नॉन-स्टेट एक्टर्स को आउटसोर्स करके खुद बेगुनाह होने का दिखावा कर सकता था।

भारत और दुनिया परमाणु-प्रतिक्रिया के अंदेशे से उसे ऐसा करने की छूट भी देते रहे। लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान के इस फरेब का पदार्फाश कर दिया है। डिटरेंस की नीति तभी कारगर होती है, जब दोनों पक्ष तर्कसंगत हों। पाकिस्तान ने तो उलटे बेतुकेपन को ही अपना हथियार बना लिया है। भारत ने 1974 में जब अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था तो इसे ह्यबुद्ध मुस्कराएह्व कहा था। लेकिन इसने पाकिस्तान को भी एटमी हथियार बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अभियान का नेतृत्व जुल्फिकार अली भुट्टो कर रहे थे। उन्होंने कहा था, हम घास खा लेंगे, भूखे रह लेंगे, लेकिन एटम बम जरूर बनाएंगे। उन्होंने इसे मुसलमानों के लिए एक परमाणु-कवच की तरह मुस्लिम-दुनिया के सामने पेश किया। लेकिन अब यह नैरेटिव तार-तार हो चुका है। क्योंकि, यह इस्लाम नहीं पाकिस्तान के बारे में था। वह अपने आतंक के कारखानों के लिए मजहब का इस्तेमाल कर रहा था। भारत ने यह भी दिखाया है कि छद्म युद्ध अब पाकिस्तान के लिए सस्ता सौदा नहीं रह गया है। उन्हें आतंकवाद को समर्थन देने की कीमत चुकानी होगी। पाकिस्तान में फौज ही मुल्क की कमान संभालती है। इस फौज का यह रिकॉर्ड है कि इसने हर युद्ध हारा है। लेकिन वह अपने मिथकों के कारण शक्तिशाली बनी हुई है।

इस संघर्ष के दौरान भी उसने यही रणनीति अपनाई। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने परमाणु युद्ध की ओर संकेत किया। समाचार-एजेंसी रॉयटर्स के हवाले से कहा गया कि पाकिस्तान की शीर्ष परमाणु संस्था की बैठक होने वाली है। यह कवायदें नाकाम रहीं।

एन रघुरामन- लेखक

किसी भी संस्थान में लीडर ही समर्पण और चरित्र स्थापित करता है

रविवार की सुबह 6 बजे मुझे अपने एक पारिवारिक मित्र के साथ निकलना पड़ा। उन्होंने अपने पिता को खो दिया था और वे उनकी अस्थियों को नजदीकी पवित्र नदी में विसर्जित करना चाहते थे। चूंकि वह नायर कम्युनिटी से आते हैं, जिनके लिए श्री रामदास आश्रम में यह कर्मकांड करने की सुविधा है।

यह आश्रम ठाणे जिले के बदलापुर में बारवी नदी के किनारे,रामगिरी नामक पहाड़ी पर स्थित है। यह स्थान हमारे मुंबई के घर से लगभग 69 किमी दूर था। आश्रम के प्रमुख स्वामी कृष्णानंद सरस्वती से बात करने के बाद हम नदी के किनारे पहुंचे, जहां कर्मकांड की सुविधा थी। पहाड़ी से नीचे उतरना और फिर कर्मकांड के बाद वापस चढ़ना काफी कठिन था। चूंकि चौथे दिन के कर्मकांड में काफी वक्त लगता है और थकाऊ भी होते हैं, ऐसे में आश्रम आगंतुकों को दोपहर का भोजन देता है। बिना प्याज और लहसुन के खाने में चावल और दाल का साधारण भोजन, उसमें भी एक सब्जी और अचार था, लेकिन थकान भरे दिन के बाद वह दिव्य था।

उस भोजन में एकमात्र विलासिता पापड़ थी। हमारे साथ कुछ युवा लड़के भी बैठे थे, उनमें से कुछ गरीब परिवारों से और कुछ अनाथ थे, असल में आश्रम इन बच्चों को भोजन की सुविधा देता है, इसलिए वे भी वही खाना खा रहे थे। हम चारों ने कुछ अतिरिक्त पापड़ मांगे और हमें वह दे दिए गए। जब मैंने अपना लंच खत्म किया और अपनी प्लेट धोने के लिए ले गया (आश्रम का नियम है कि हर किसी को अपनी प्लेट खुद धोनी होती है), तो मैंने सुना कि एक लड़का अतिरिक्त पापड़ मांग रहा था और उम्र से उससे बड़ा लड़का उससे कह रहा था, ह्यतुम्हें अतिरिक्त पापड़ नहीं मांगने चाहिए।ह्व जब छोटे लड़के ने मेरी ओर इशारा किया और कहा, ह्यउन्हें मिला,ह्व तो दूसरे ने तुरंत उसे चुप करा दिया और कहा, ह्यवे अलग उद्देश्य के लिए यहां आए हैं और सुबह से उपवास कर रहे होंगे। खुद की तुलना उनसे मत करो।ह्व उसकी उस उम्र में परिपक्वता देखकर मैं ठहर-सा गया। मैंने अपनी प्लेट धोई और हाथ सुखाने के बाद उन बच्चों को पापड़ देने के लिए खोजने लगा। मेरे एक मित्र ने लोगों को भोजन कराने के इस नेक काम के लिए भारी-भरकम दान दिया। उन लड़कों से बात करते हुए मैंने महसूस किया कि उनमें से हर कोई अपनी बातचीत में बेहद नपे तुले थे और आश्रम का अनुशासन उनके चरित्र में झलक रहा था।

जब मैं स्वामीजी के पास फिर से गया ताकि मैं उन्हें, इन युवा बच्चों में बोए जा रहे संस्कारों के लिए धन्यवाद कह सकूं, तभी मेरे मोबाइल फोन पर पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग की एक कहानी आई। पोंटिंग ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरने वाले थे और पहले से ही क्वांटास एयरलाइन के विमान में बैठे थे। विमान में बैठते ही उन्हें भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बारे में पता चला और उन्होंने अंतिम क्षण में विमान से उतरने का निर्णय लिया। पिछले हफ्ते आईपीएल स्थगित होने के बाद सारे विदेशी खिलाड़ी घबराहट में थे और परमाणु हथियार संपन्न दोनों देशों के बीच पूर्ण युद्ध की संभावना को देखते हुए सुरक्षित जगह जाने का निर्णय ले लिया था। पोंटिंग ने न केवल स्वेच्छा से रुकने का निर्णय लिया, बल्कि उन्होंने अन्य विदेशी खिलाड़ियों को जल्द से जल्द वापस आने के लिए भी मोटिवेशनल मैसेज दिया, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि निलंबित मैच फिर से शुरू होंगे।

दिल्ली हवाई अड्डे पर हाई सिक्योरिटी को देखते हुए फ्रेंचाइजी अधिकारियों को एयरपोर्ट अधिकारियों को कई फोन कॉल करने पड़े, ताकि पोंटिंग का सामान विमान से उतारा जा सके। और पोंटिंग के इस काम से उनका खेल के प्रति समर्पण और नेतृत्व की भावना का पता चलता है। फंडा यह है कि बात हमेशा सिर्फ एक लीडर की है, जो खुद अपने व्यवहार और अनुशासन से दूसरों को समर्पण और चरित्र सिखाता है। याद रखें, टीम- चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो- हमेशा अपने लीडर के गुणों को सीधा कट-पेस्ट करती है।

बिजनेस

टाटा मोटर्स का चौथी तिमाही में मुनाफा 51% कम हुआः रेवेन्यू 0.53% बढ़कर 1.19 लाख करोड़ रहा

मुंबई। ऑटोमोबाईल कंपनी टाटा मोटर्स को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 8,470 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 51.34% कम रहा है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 17,407 करोड़ रुपए था।

जनवरी-मार्च तिमाही में ऑपरेशन से कंपनी का रेवेन्यू 1.19 लाख करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में टाटा मोटर्स ने 1.18 लाख करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। सालाना आधार पर यह 0.53% बढ़ा है। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिली राशि को रेवेन्यू या राजस्व कहा जाता है। टाटा मोटर्स ने आज मंगलवार (13 मई) को जनवरी-मार्च तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए हैं।

टाटा मोटर्स की टोटल इनकम 0.48% बढ़ी चौथी तिमाही में टाटा मोटर्स की टोटल इनकम सालाना आधार पर 0.48% बढ़कर 1.21 लाख करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी की टोटल इनकम 1.20 लाख करोड़ रुपए रही थी।

नतीजों में आम आदमी के लिए क्या? कंपनी ने वित्त-वर्ष 2024-25 के लिए हर शेयर पर 6 रुपए फाइनल डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरहोल्डर्स को देती हैं, इसे डिविडेंड या लाभांश कहा जाता है।नतीजों के पहले टाटा मोटर्स का शेयर आज 1.73% की गिरावट के साथ 708 रुपए के स्तर पर बंद हुआ। कंपनी का शेयर एक महीने में 14% चढ़ा और 6 महीने में 10% गिरा है। एक साल में कंपनी का शेयर 26% गिरा है। टाटा मोटर्स का मार्केट कैप 2.61 लाख करोड़ रुपए है।कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कॉन्सोलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट या सेगमेंट का फाइनेंशियल परफॉर्मेंस दिखाया जाता है। जबकि, कॉन्सोलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी का डेटा जारी होता है।

यहां, टाटा मोटर्स की जगुआर लैंड रोवर जैसी 100 से ज्यादा सब्सिडियरी और एसोसिएट कंपनियां हैं। इन सभी के फाइनेंशियल रिपोर्ट को मिलाकर कॉन्सोलिडेटेड कहा जाएगा। वहीं, अगर जगुआर लैंड रोवर के अलग रिजल्ट को स्टैंडअलोन कहा जाएगा।

राज-काज

अमेरिका-चीन टैरिफ पर क्यों झुके

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन ने बढ़ते टैरिफ वॉर को लगभग समाप्त कर लिया है। दोनों देशों ने जेनेवा में ट्रेड डील की और 115% टैरिफ कटौती का ऐलान किया। दोनों के बीच यह समझौता फिलहाल 90 दिनों के लिए है। अमेरिका ने चीनी सामानों पर 145% और चीन ने अमेरिकी सामानों पर 125% टैरिफ लगा रखा है। इस कटौती के बाद चीन पर अब 30% और अमेरिका पर 10% टैरिफ रह जाएगा। इस समझौते पर अमेरिका ने कहा कि चीन के साथ मतभेद उतने बड़े नहीं थे जितना सोचा था। लेकिन कई और कारण हैं जो इस समझौते के लिए जिम्मेदार हैं... चीनी आयात पर 145% अमेरिकी टैरिफ और चीन के 125% जवाबी टैरिफ ने दोनों के बीच सालाना एवरेज 610 बिलियन डॉलर के व्यापार पर काफी दबाव पड़ा। अमेरिका के रिटेल बिजनेस पर बढ़ती कीमतों का सीधा असर पड़ रहा था। इससे कंज्यूमर एक्सपेंडिचर कम हो रहा था।

अप्रैल में रिटेल महंगाई घटकर 3.16% पर आई

ये करीब 6 साल में सबसे कम, खाने-पीने के सामान की कीमतों में कमी से घटी महंगाई

नई दिल्ली। भारत में रिटेल महंगाई अप्रैल में घटकर 3.16% पर आ गई है। ये महंगाई का 69 महीनों का निचला स्तर है। जुलाई 2019 में महंगाई 3.15% रही थी। खाने-पीने के सामान की कीमतों में लगातार नरमी के कारण रिटेल महंगाई घटी है। इससे पहले मार्च महीने में रिटेल महंगाई 3.34% रही थी। ये महंगाई का 67 महीने का निचला स्तर था। आज यानी, मंगलवार 13 मई को सरकार की ओर से रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए गए हैं।

अप्रैल में खाने-पीने के सामानों की कीमत घटी महंगाई के बास्केट में लगभग 50% योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महीने-दर-महीने की महंगाई 2.69% से घटकर 1.78% हो गई है। अप्रैल महीने में ग्रामीण महंगाई दर 3.25% से घटकर 2.92% हो गई है। वहीं शहरी महंगाई 3.43% से घटकर 3.36% हो गई है।महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी। एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी उढक करता है। हम सामान और सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, उढक उसी को मापता है। कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मैन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 300 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

चीन ने बोइंग विमानों की डिलीवरी लेने से बैन हटायाःअमेरिका के साथ ट्रेड डील के बाद फैसला

बीजिंग। चीन ने बोइंग विमानों की डिलीवरी लेने पर लगा बैन हटा दिया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने डोमेस्टिक कैरियर्स को सूचित किया कि वे अब अमेरिका निर्मित विमानों की डिलीवरी फिर से शुरू कर सकते हैं। अमेरिका-चीन की टैरिफ डील के बाद बैन हटाने का यह फैसला लिया गया। एक महीने पहले चीन ने अपनी एयरलाइन कंपनियों को बोइंग से नए विमानों की डिलीवरी नहीं लेने के आदेश दिए थे। चीनी सरकार ने यह आदेश अमेरिका के 145% टैरिफ के जवाब में दिया था। अमेरिका में बनने वाले विमान के पार्ट्स की खरीद रोकने का आदेश भी दिया था।

12 मई को जेनेवा में ट्रेड डील का ऐलान किया था अमेरिका-चीन ने 12 मई को जेनेवा में ट्रेड डील का ऐलान किया था। बताया गया कि दोनों देश 115% टैरिफ कटौती करेंगे। दोनों के बीच यह समझौता फिलहाल 90 दिनों के लिए है। अमेरिका ने चीनी सामानों पर 145% और चीन ने अमेरिकी सामानों पर 125% टैरिफ लगा रखा है। इस कटौती के बाद चीन पर अब 30% और अमेरिका पर 10% टैरिफ रह जाएगा।

बोइंग के लिए चीन एक महत्वपूर्ण बाजार कोरोना महामारी से पहले, बोइंग के लगभग एक तिहाई 737 विमान देश में डिलीवर किए जा रहे थे। बोइंग के अनुमान के अनुसार, अगले दो दशकों में, चीन ग्लोबल एयरप्लेन डिमांड का 20% हिस्सा होगा। इसका मतलब है कि चीन को... 737 मैक्स जैसे अनुमानित 6,500 सिंगल-आइल विमानों की और बोइंग के 787 ड्रीमलाइनर जैसे 1,500 से अधिक ट्विन-आइल विमानों की भी जरूरत होगी।

2030 के अंत तक पुराने विमानों को बदलने और घरेलू यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए लगभग 1,100 अतिरिक्त विमानों की आवश्यकता होगी।चीन को 2043 तक 8,830 नए विमानों की जरूरत होगी। डोमेस्टिक मैन्युफैक्चरर उडटअउ आगे तो बढ़ रहा है, लेकिन प्रोडक्शन कंस्ट्रेंट और वेस्टर्न कंपोनेंट (जैसे इंजन) पर निर्भरता के कारण अभी तक सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार नहीं है।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बल के जवान।

राज्य सरकार नक्सलियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम, नक्सली सरेंडर करें, नहीं तो मारे जाएंगे

मप्र की धरती पर अब नहीं बचेंगे नक्सली : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में वर्ष-2026 तक देशभर से नक्सलवाद के खात्मे का संकल्प लिया गया है। इसे पूरा करने के लिएमध्यप्रदेश सरकार भी केंद्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में बालाघाट जिले के पिछले दिनों नक्सल मुठभेड़ों में शामिल रहे पुलिस फोर्स, हॉक फोर्स और विशेष सशस्त्र बल के 64 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को क्रम पूर्व पदोन्नति प्रदान की गई है। राज्य सरकार का यह महत्वपूर्ण कदम पुलिसकर्मियों का हौसला बढ़ाएगा। क्रम पूर्व पदोन्नति पुलिस इतिहास में स्वर्णिम क्षण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बालाघाट कभी अत्यधिक नक्सल प्रभावित 12 जिलों की सूची में शामिल था। सरकार की मंशा और पुलिस के परिश्रम से अब केंद्र सरकार ने बालाघाट को गंभीर समस्या वाली श्रेणी से बाहर कर अन्य श्रेणी में रखा है। बालाघाट में नक्सल गतिविधियों में गिरावट प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को बालाघाट के लांजी में आयोजित क्रम से पूर्व पदोन्नति अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बैज लगाकर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नत कर किया और बधाई दी।

संकल्प

राज्य सरकार नक्सलियों से निपटने में सक्षम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को 4 दिन की लड़ाई में पस्त कर दिया। गृह मंत्री श्री शाह के नेतृत्व में देशभर में नक्सल विरोधी अभियान संचालित हो रहा है। इस अभियान को मजबूती देने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस को आधुनिक हथियारों और तकनीक से लैस किया जा रहा है। राज्य सरकार नक्सलियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। बालाघाट की धरती पर यह अलंकरण समारोह नक्सलियों को सीधा संदेश है कि वे सरेंडर करें नहीं तो मारे जाएंगे। प्रदेश की धरती पर नक्सल का खूनी खेल अब नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि आज बालाघाट में पुलिस के वीरों का सम्मान हो रहा है। पुलिसकर्मी जान की बाजी लगाकर नागरिकों की सुरक्षा करते है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सर्वोच्च बलिदान देने वाले 37 वीर पुलिसकर्मियों को नमन करते हुए कहा कि जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु ऐसी हो, जिस पर देश, प्रदेश और समाज गर्व करे।

बालाघाट में 169 करोड़ लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में जल गंगा संवर्धन अभियान में बालाघाट जिले में किए गए विकास कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने 169 करोड़ रुपए लागत के 93 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। इनमें आयुर्वेदिक महाविद्यालय भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट में प्रदेश के 51वें आयुर्वेदिक कॉलेज की नींव रखी। इस अवसर पर सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक लांजी श्री राजकुमार कर्राहे, विधायक वारासिवनी श्री विक्की पटेल, विधायक श्री गौरव पारधी, पूर्व मंत्री श्री प्रदीप जायसवाल और श्री रामकिशोर कावरे उपस्थित रहे।

बालाघाट खनिज और जल संपदा से परिपूर्ण - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बालाघाट खनिज और जल संपदा से परिपूर्ण है। यहां तांबा और मैग्नीज के भंडार हैं। बालाघाट के चिन्नौर चावल को जीआई टैग प्राप्त होना, हमारे लिये गौरव की बात है। बालाघाट में नक्सलियों के खात्मे के साथ विकास के कार्य भी निरंतर जारी हैं। यहां आयुर्वेद से जुड़ी भरपूर संपदा है। नर्सिंग और पैरामेडिकल के कोर्स भी आयुर्वेदिक कॉलेज में चलाए जाएंगे। एक समय था जब वर्ष 2002-03 तक मध्यप्रदेश में एलोपैथी के मात्र 5 मेडिकल कॉलेज थे। अब प्रदेश में इनकी संख्या 30 है। इसके अतिरिक्त 8 और नए मेडिकल कॉलेज खुलने वाले हैं।

पीएम जनमन अभियान में बालाघाट में बन रही देश में पहली सड़क

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बालाघाट में सड़क विकास पर भी जोर दिया जा रहा है। पीएम जनमन अभियान में देश में पहली सड़क बालाघाट में बन रही है, जो 23 किलोमीटर लंबी है। हमारी सरकार बेघरों को घर देकर गरीब से गरीब व्यक्ति की जिंदगी बेहतर करने का प्रयास कर रही है। आगामी 26 मई को नरसिंहपुर में कृषि मेला लगेगा। यहां किसानों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाएंगी। राज्य सरकार टमाटर सहित अन्य सब्जियों के भंडारण एवं प्र-संस्करण के लिए व्यवथा कर रही है। किसानों से 2600 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदकर उन्हें लाभ दिया गया है। जल संरक्षण और संवर्धन के लिए 30 जून तक अभियान चल रहा है। बालाघाट में तालाब, नदी, कुंए, बावड़ी सहित सभी जल स्त्रोतों का संरक्षण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नदी जोड़ों परियोजनाओं से सिंचाई का रकबा बढ़ेगा। राज्य सरकार किसानों को मात्र 10 प्रतिशत राशि पर 30 लाख से अधिक सोलर पंप दे रही है। किसानों से अतिरिक्त बिजली खरीदकर उन्हें लाभान्वित किया जाएगा। राज्य सरकार ने किसानों को और अधिक लाभ देने के लिये डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना की शुरुआत की है। किसान खेती के साथ दूध उत्पादन से भी आय बढ़ाएं। सरकार दूध खरीदेगी, किसानों को रोज पैसे मिलेंगे। प्रदेश में दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी के साथ सरकार ने गौशालाओं के लिए प्रति गाय अनुदान 20 रुपए को बढ़ाकर 40 रुपए किया है। राज्य सरकार ने वृंदावन ग्राम योजना भी शुरु की है। युवाओं को गांव में ही रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

शॉट न्यूज

ग्वालियर-मुरैना बॉर्डर पर भीषण हादसा

ग्वालियर। ग्वालियर-मुरैना बॉर्डर पर मंगलवार तड़के दर्दनाक सड़क हादसे में एक ट्रक ड्राइवर की जिंदा जलकर मौत हो गई। ट्रक ग्वालियर के बिलौआ से गिट्टी भरकर आगरा की ओर जा रहा था, तभी मुरैना जिले के रिठौरा थाना क्षेत्र में सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर के तुरंत बाद गिट्टी से भरे ट्रक में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि चालक को सीट से हिलने तक का मौका नहीं मिला और वह ट्रक के अंदर ही जिंदा जल गया। घटना मंगलवार सुबह लगभग 4 बजे लक्ष्मणगढ़ पुल के पास हुई। सूचना मिलते ही ग्वालियर के महाराजपुरा थाना प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह यादव व मुरैना के रिठौरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

ग्वालियर में वारदात की साजिश नाकाम

ग्वालियर। ग्वालियर में आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे बदमाशों को पुलिस ने हथियारों के साथ दबोच लिया है। दो अलग-अलग मामलों में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से अवैध कट्टा, पिस्टल और जिंदा राउंड बरामद किए गए हैं। थाना प्रभारी डबरा यशवंत गोयल ने जानकारी दी कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सिमरिया इलाके में दो संदिग्ध युवक हथियारों के साथ घूम रहे हैं। इस पर पुलिस टीम ने इलाके में सर्चिंग अभियान चलाया। पुलिस को देखते ही दोनों संदिग्ध भागने लगे, लेकिन टीम ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से एक पिस्टल, एक कट्टा और जिंदा राउंड बरामद हुए। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान दतिया निवासी सचिन पुत्र धनीराम परिहार और अभिषेक पुत्र जण्डेल परिहार के रूप में हुई है।

शादी का झांसा देकर दो किशोरियों को भगाकर ले जाने वाले आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में इन दिनों अपहृत बालक-बालिकाओं की तलाश के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बड़नगर थाना पुलिस ने दो नाबालिग बालिकाओं को शादी का झांसा देकर भगाने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (देहात) मयूर खंडेलवाल एवं एसडीओपी बड़नगर महेन्द्र परमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार व उनकी टीम द्वारा की गई। थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि कुछ दिन पूर्व एक 17 वर्षीय नाबालिग बालिका के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। मामला नाबालिग से संबंधित होने के कारण तत्काल एक टीम गठित कर तलाश शुरू की गई।

अब्दुल का फोन नहीं उठाया तो उसने प्रेम में ही लक्ष्मी का गला रेत कर दी हत्या

संवाददाता ● जबलपुर

मध्य प्रदेश के जबलपुर के गढ़ा थाना क्षेत्र के तहत आने वाली देवताल पहाड़ियों में 19 साल की लक्ष्मी अहिरवार की दर्दनाक हत्या ने पूरे क्षेत्र को हिला दिया। प्रेम प्रसंग में उपजा विवाद इतना भयंकर रूप ले लेगा, किसी ने सोचा भी नहीं था। प्रयागराज से जबलपुर आए प्रेमी अब्दुल समद ने सिर्फ इसलिए अपनी प्रेमिका की गला रेतकर हत्या कर दी क्योंकि वह उसकी कॉल्स को इग्नोर कर रही थी। पुलिस ने 48 घंटे के भीतर इस ब्लाइंड मर्डर का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मूलरूप से छतरपुर जिले के खजुराहो की रहने वाली लक्ष्मी अपने परिवार के साथ जबलपुर आई थी। वह देवताल स्थित एक प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य में मजदूरी कर रही थी। शनिवार को वह शौच के लिए देवताल की पहाड़ी की ओर गई थी, लेकिन काफी समय तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद भाई और भाभी को झाड़ियों में उसकी खून से लथपथ लाश मिली, जिसके गले और पेट पर चाकुओं के गहरे घाव थे। घटना की जानकारी मिलते ही गढ़ा थाना पुलिस, एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में यह मामला पूरी तरह ब्लाइंड मर्डर जैसा लग रहा था, क्योंकि हत्या दिनदहाड़े हुई थी और कोई चश्मदीद गवाह नहीं था। लेकिन घटनास्थल के पास मृतका का मोबाइल मिलने से पुलिस को जांच में दिशा मिली। मोबाइल की कॉल डिटेल खंगालने पर पुलिस को पता चला कि हत्या से ठीक पहले युवती की आखिरी बातचीत प्रयागराज के रहने वाले अब्दुल समद(19) से हुई थी।

खुलासा

प्रेमिका से मिलने पहुंचा था आरोपी - उस वक्त अब्दुल जबलपुर में ही मौजूद था। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह आरोपी प्रयागराज से जबलपुर पहुंचा और लक्ष्मी को कई बार कॉल किया। एक बार कॉल रिसीव होने पर लक्ष्मी ने उसे देवताल पहाड़ी पर दोपहर 12 बजे मिलने बुलाया। समय से पहले पहाड़ी पर पहुंचा अब्दुल, युवती से मिलते ही आपा खो बैठा। विवाद इस बात को लेकर हुआ कि अब्दुल द्वारा दिए मोबाइल से लक्ष्मी किसी और से बात करती थी।

एक ही साड़ी के फंदे पर लटके मिला प्रेमी जोड़ा

उमरिया। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां 16 साल की एक नाबालिग लड़की और 23 साल के युवक के बीच कथित प्रेम संबंध थे, लेकिन समाज और परिस्थितियों के दबाव में उन्होंने ऐसा कदम उठाया, जिसने दो परिवारों की खुशियों को हमेशा के लिए छीन लिया। यह सिर्फ एक प्रेम कहानी का दुखद अंत नहीं, बल्कि एक सामाजिक सवाल भी है। जिसने सभी को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। उमरिया जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के चापर गांव में एक प्रेमी जोड़े ने जंगल में पेड़ से फांसी के फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। घटना से क्षेत्र में शोक और सनसनी का माहौल बना हुआ है। मृतकों की पहचान चंद्रेश(23) और लक्ष्मी(16) के रूप में हुई है। दोनों युवक-युवती रविवार शाम से लापता थे। परिजनों ने जब काफी खोजबीन के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिला पाया, तो सोमवार सुबह सिविल लाइन चौकी में उनकी गुमशुदगी की एफआईआर दर्ज कराई गई। सुबह गांव के पास जंगल में महुआ के पेड़ से दोनों के शव एक ही साड़ी के फंदे से लटके हुए मिले। यह स्थान उनके घर से लगभग 500 मीटर की दूरी पर है। दोनों के घर आमने-सामने ही स्थित हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। थाना प्रभारी बालेंद्र शर्मा के अनुसार, मामले की जांच जारी है और मृतकों के परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

दो दिन से थे लापता

एक महीने बाद होना था निकाह, परिवार बांट था रहा कार्ड

रेड लाइट पर स्कूल बस ने मारी स्कूटी को टक्कर, लेडिज डॉक्टर की मौत

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बाणगंगा चौराहे पर बेकाबू स्कूल बस ने रेड सिग्नल पर खड़े वाहनों को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में स्कूटी सवार 24 साल की आयशा खान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 6 अन्य लोग घायल हो गए थे। आयशा डॉक्टरी की इंटर्नशिप कर रही थीं। अब मालूम हुआ है कि हादसे में मारी गयी इस इकलौती युवती आयशा की अगले महीने ही शादी होने वाली थी। यह जानकारी पोस्टमार्टम हाउस के बाहर परिजनों से मिली।

बस हादसे में मारी गयी डॉक्टर आयशा खान जेपी हॉस्पिटल से इंटर्नशिप कर रही थी और हादसे के समय अस्पताल से वापस अपने घर की ओर जा रही थी। इसी दौरान बाणगंगा चौराहे पर बेकाबू बस के नीचे आने से आयशा की मौत हो गयी। अब इस घटना का एक और दुखद पहलू सामने आया है। पोस्टमार्टम हाउस के बाहर पुलिसकर्मी जब परिजनों से बातचीत कर रहे थे तो उन्होंने बताया कि ठीक एक महीने बाद 14 जून को आयशा का निकाह था। सोमवार सुबह आयशा के माता-पिता रिश्तेदारों को बेटी आयशा की शादी का कार्ड बांटने निकले थे, उसी समय उन्हें हादसे की सूचना मिली और वो जब हमीदिया अस्पताल पहुंचे तो बेटी की मौत की जानकारी मिलते ही टूट गए। आयशा के पिता बैंक में मैनेजर हैं।

अगले महीने होने वाले निकाह के लिए आयशा बेहद ही खुश थी और अपने सभी साथियों और दोस्तों को उसने कार्ड भी बांट दिया था। यही नहीं, पिछले कुछ दिनों से वो अपनी मां के साथ शादी की खरीददारी में भी लगी हुई थी। शादी के लिए मैरिज गार्डन से लेकर केटरिंग तक का आर्डर दिया जा चूका था। कुछ दिनों बाद आयशा शादी के लिए छुट्टियां लेने वाली थी लेकिन होनी को शायद कुछ और ही मंजूर था। शादी की तैयारियों और खुशियों में डूबे परिवार में अब बेटी की मौत का मातम पसरा हुआ है।

मुंडन कार्यक्रम का मटका कुल्फी खाने से 40 बच्चे बीमार, भर्ती

संवाददाता ● सीहोर

मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के भाऊ खेड़ी में मुंडन कार्यक्रम के दौरान मटका कुल्फी खाने से करीब 40 बच्चे बीमार हो गए। जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए जावर और आष्टा सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, घटना की सूचना लगते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच में जुट गई है। हालांकि, अभी सभी बच्चों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

जानकारी अनुसार जिले के ग्राम भाऊ खेड़ी में मुंडन कार्यक्रम था। जहां मटका कुल्फी खाने के बाद करीब 40 बच्चों की तबीयत अचानक खराब हो गई। मटका कुल्फी खाने के बाद बच्चों को उल्टी और दस्त होने लगे। जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में उपचार के लिए आष्टा और जावर अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिविल अस्पताल आष्टा के डॉ। संतोष करंजे ने बताया गया है कि भाऊ खेड़ी में मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी बच्चे आए हुए थे। जहां मटका कुल्फी खाने के कुछ देर बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। जिसके बाद बच्चों को अस्पताल लाया गया। जहां सभी का इलाज जारी है और सभी की हालत खतरे से बाहर है। सूचना पुलिस को भी दी गई है। वहीं, पुलिस का कहना है कि मटका कुल्फी खाने से करीब 40 बच्चों की तबीयत खराब हो गई। जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग की मदद से मटका कुल्फी का सैंपल भी जांच के लिए भेज दिया गया है।

बीएसएफ हैड क्वार्टर के हाई-सिक्योरिटी झोन में पकड़ाया युवक

संवाददाता ● ग्वालियर

मध्य प्रदेश में ग्वालियर पुलिस ने बीएसएफ टेकनपुर हेड क्वार्टर के पास एक संदिग्ध युवक को अरेस्ट किया है। यह युवक बीएसएफ की वर्दी पहनकर संदिग्ध परिस्थिति में हाई सिक्योरिटी जोन के अंदर घूम रहा था। शक होने पर उसे पकड़ा गया और पूछताछ की गई। इस दौरान पहले तो उसने पुलिस को गुमराह करने की खूब कोशिश की, लेकिन पुलिस ने जब सख्ती की तो वह टूट गया। इसके बाद उसने जो खुलासा किया, वह काफी हैरान करने वाला है।

पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि 6 महीने पहले वह बीएसएफ की भर्ती परीक्षा में शामिल हुआ था, लेकिन फेल हो गया। इसके बाद वह घर लौट कर गया, लेकिन अपने फेल होने की बात छुपा ली और उनसे झूठ बोल दिया कि उसका बीएसएफ में चयन हो गया है। उसी समय से वह बीएसएफ की वर्दी पहनकर घूम रहा है। ग्वालियर के एसएसपी धर्मवीर सिंह यादव के मुताबिक इस युवक की पहचान उत्तर प्रदेश में मैनपुरी के रहने वाले राहुल जाटव के रूप में हुई है। एसएसपी के मुताबिक राहुल से जब आईडी कार्ड मांगा गया तो उसने पहले इधर-उधर की बात की। फिर कहने लगा कि उसका भाई बीएसएफ में है। पुलिस ने उसका नाम पूछा तो वह नहीं बता पाया। इसके बाद पुलिस उसे लेकर थाने पहुंची, जहां उससे सख्ती से पूछताछ हुई। इस दौरान उसने अपने झूठ का खुलासा किया। कहा कि परीक्षा के बाद से ही वह मकोड़ा में ही रह रहा है और बीएसएफ की वर्दी पहनकर घूमता रहा। यही नहीं, इस दौरान वह अपने घर भी गया तो वर्दी ही पहन कर गया था। ग्वालियर की बिलौआ थाना पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर एक जोड़ी बीएसएफ की यूनिफॉर्म व दो जोड़ी सिविल ड्रेस बरामद की है।

मध्यप्रदेश, पीएम की विकास यात्रा में कदम से कदम मिलाकर चलने को है तैयार

पीएम ने किया आतंकवाद के विरूद्ध नीति का उद्घोष : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के नागरिकों को संबोधित करते हुए भारत की आतंकवाद के विरूद्ध नीति का उद्घोष किया है। भारत ने आपरेशन सिंदूर सिर्फ स्थगित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन यह युग आतंकवाद का भी नहीं है। यह एक वाक्य भारत का संदेश समझने के लिए काफी है। भारत ने पहलगाम की घटना में जिन बहनों का सिंदूर उजड़ा उसका हिसाब पाकिस्तान से चुकता करने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक मजबूत अर्थ व्यवस्था बना है, साथ ही राष्ट्रवासियों ने धारा 370 को समाप्त होते देखा है। राष्ट्रहित से जुड़े ऐसे कठिन निर्णय प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लिए, जिनकी कल्पना नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि जो मार भारत ने पाकिस्तान पर मिसाइलों से की उससे कहीं अधिक मार आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के शब्दों से हुई है और इस संबोधन ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सेना अध्यक्ष सहित अन्य दुश्मनों की जमीन खिसका दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राष्ट्र को दिए गए संबोधन के बाद अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि दुनिया बदलते दौर का भारत देख रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों को भरोसा दिलाया है और उन्हंह आत्मविश्वास से भर दिया है। ऊर्जा से लबरेज कर दिया है। उन्होंने उत्साह और उमंग से सेनाओं का हौसला भी बढ़ाया है।

आतंकवाद को खाद और पानी देता है पाकिस्तान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सक्षम नेतृत्व में सेना ने सिर्फ 5 दिन में जबरदस्त प्रतिकार करते हुए पाकिस्तान की कमर तोड़ने का कार्य किया है। आज प्रधानमंत्री मोदी के शब्दों से यह स्पष्ट हो गया है कि आतंकवाद को भारत कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने पाकिस्तान को खरी-खरी सुनाते हुए यह भी कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को खाद-पानी देता रहा है। आतंकवादियों के जनाजे पर पाकिस्तान का झंडा चढ़ते हुए देखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने मेड इन इंडिया की दृष्टि से भारत की सर्वोच्च सुरक्षा का आव्हान किया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि जब बात होगी तो पीओके (पाक ऑक्युपाईड कश्मीर) पर होगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में न्यूक्लियर बम के नाम पर पाकिस्तान द्वारा ब्लैक मेल किया जाना असंभव है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के एक-एक शब्द से प्रत्येक भारतीय का सीना छप्पन इंच करने का कार्य किया है।

सिर्फ सूट और साड़ी में जाएंगी हीरोइने!

रेड कार्पेट पर बैन हुए न्यूड और ओवरसाइज लुक

फैशन और फिल्मों की दुनिया का महाकुंभ यानि के कान्स फिल्म फेस्टिवल आज से शुरू हो रहा है। इससे पहले कान्स फिल्म फेस्टिवल की ओर से कुछ गाइडलाइन्स जारी की गई है जिन्हें सभी को फॉलो करना होगा। कान्स रेड कार्पेट पर न्यूडिटी और हैवी ओवरसाइज्ड आउटफिट्स आउटफिट्स को बैन कर दिया गया है। कान्स से हसीनाओं के लुक्स देखने लायक होते हैं जिनके लिए सभी एक्साइटेड रहते हैं। लेकिन इस बार कुछ ऐसे फिल्टर लगाए दिए गए हैं जो कि पहले नहीं थे ऐसे में इस बार देखने दिलचस्प होगा कि एक्ट्रेस और मॉडल्स खुद को अलग बनाने के लिए रेड कार्पेट पर क्या करती हैं। कान्स फिल्म फेस्टिवल की ओर से कहा गया है कि ड्रेस कोड काफी एक्साइटेड होने वाले हैं। हालांकि फ्रेंच रूल्स और फेस्टिवल की गरीमा को देखते हुए कुछ गाइडलाइन्स तैयार की गई हैं। इनका मकसद फैशन को कंट्रोल करना नहीं है। सिर्फ न्यूडिटी और रेड कार्पेट पर भारी भरकम आउटफिट्स से होने वाली दिक्कतों को खत्म करना है। ताकि सभी रेड कार्पेट पर आराम से पोज दे सकें। कान फिल्म फेस्टिल के शुरू होने के समय की बात करें तो यह फेस्टिवल 13 मई को फ्रांस में सुबह 11 बजे शुरू होगा। वहीं भारतीय समय के मुताबिक 2:30 पर स्ट्रीम होगा। इसी के साथ ही कान अपने सोशल मीडिया हैंडल पर हर एक अपडेट की जानकारी देगा। बता दें कि इस बार कान में आलिया भट्ट शामिल होने जा रही हैं। साथ ही में लोरियल पेरिस की ग्लोबल एंबेसडर ऐश्वर्या राय बच्चन भी हमेशा की तरह अपनी खूबसूरती से सभी को कायल करने वाली हैं।

सनी देयोल इस फिल्म में डिंपल कपाड़िया को नहीं लेना चाहते थे डायरेक्टर

ढीली टाई और शर्ट के बटन आधे खुले हुए...पढ़े-लिखे होने के बावजूद नौकरी ना मिलने की खीझ, भ्रष्ट राजनेताओं के प्रति गुस्सा लिए नायक अर्जुन मालवंकर का असर ऐसा था कि युवा भी उसी के रंग में ढल गए थे। 10 मई, 1985 को प्रदर्शित हुई फिल्म 'अर्जुन' के निर्देशक राहुल रवेल साझा कर रहे हैं । जिस दिन 'अर्जुन' सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई थी, उसी दिन फिल्म के हीरो सनी देओल की शादी की वर्षगांठ भी थी। उन्होंने मुंबई के ताज होटल में पूरी यूनिट के लिए भव्य पार्टी रखी थी। फिल्म को मिली जोरदार सफलता मानो सनी के लिए शादी की वर्षगांठ का उपहार थी। मजेदार बात ये थी कि फिल्म की मेकिंग के दौरान सिनेमेटोग्राफर बाबा आजमी, सुप्रिया पाठक और मेरी भी शादी हुई थी, तो हम सभी को सेलिब्रेशन का दोहरा मौका मिल गया था। 'अर्जुन' में कोई कहानी नहीं थी, वो तो एक किरदार अर्जुन मालवंकर था, जो दर्शकों के दिलों पर छा गया था। जावेद साहब ने फिल्म लिखी थी। पहले निर्माता मूरानी बंधुओं के साथ हम एक अन्य फिल्म बनाने वाले थे। जावेद साहब ने हमें दूसरी स्क्रिप्ट सुनाई थी, जिसमें ऋषि कपूर और सनी देओल काम करने वाले थे। फिल्म का एक गाना भी रिकॉर्ड हो गया था 'ममाया केरो... '। हालांकि बाद में वो फिल्म ड्रॉप हो गई। हमने नई कहानी पर काम शुरू किया।

सोनी राजदान की 'भारत-पाक संघर्ष' वाली पोस्ट पर नहीं थमा विवाद

बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट की ब्रिटिश नागरिकता पर सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं। जब से उनकी मां सोनी राजदान ने भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने 'संघर्ष विराम' की अपील की थी। अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर सोनी राजदान ने शांति की अपील की, जिसके बाद से ही वह और आलिया ट्रोल्स के निशाने पर हैं। अब यूजर एक्ट्रेस की ब्रिटिश नागरिकता को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं। यूजर्स का कहना है कि ऐसे मौके पर जब हमारे देश के जवान सीमा पर अपनी जान की बाजी लगाए हुए हैं, शांति का आग्रह करना बेतुका है। सोनी राजदान के जिस पोस्ट को लेकर विवाद हो रहा है, उसमें उन्होंने लिखा था- "सबसे ऊपर - शांति याचिका पर हस्ताक्षर करें। बायो में लिंक।"
हालांकि बाद में उन्होंने भारी आलोचना का सामना करने के बाद अपनी पोस्ट को हटा दिया, लेकिन नेटिजंस अभी भी उनसे नाराज हैं, कई लोगों ने देश के प्रति उनकी और आलिया की वफादारी पर सवाल उठाए हैं।

सोनी के लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट में लिखा, 'जबकि शांति आदर्श लक्ष्य है, यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि वास्तव में संघर्ष को कौन बढ़ा रहा है। हमारे सैनिक अत्यंत सावधानी से लक्षित ऑपरेशन कर रहे हैं, जबकि दूसरा पक्ष खुलेआम आवासीय क्षेत्रों पर हमला कर रहा है और नागरिकों को मार रहा है। बिना संदर्भ के शांति का आग्रह करना, खासकर जब हमारे लोग मर रहे हैं और हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं, जमीनी हकीकत से अलग लगता है। साथ ही, यह संदेश किसी ऐसे व्यक्ति से आ रहा है जिसकी बेटी विदेशी नागरिकता रखते हुए भारत के सभी विशेषाधिकारों का आनंद ले रही है, ईमानदारी और जवाबदेही के बारे में चिंताएं पैदा करता है।'

यूजर के कमेंट पर प्रतिक्रिया देते हुए सोनी राजदान ने लिखा- 'शांति के लिए मेरी अपील भारत से नहीं बल्कि पाकिस्तान से थी। आखिरकार वे हमलावर हैं। हम बस जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं और यह सही भी है। मुझे लगता है कि लोगों ने जल्दबाजी में निष्कर्ष निकाल लिया है। साथ ही यह एक जर्नलाइज्ड बयान था। उम्मीद है कि इससे स्थिति स्पष्ट हो गई होगी। मैं भी बाकी सभी लोगों की तरह ही हताश हूं। युद्ध एक भयानक चीज है। कोई भी व्यक्ति जो युद्ध से गुजरा है, वह किसी और के लिए ऐसा नहीं चाहेगा।'

वहीं एक और यूजर ने लिखा- 'विश्वास नहीं होता कि आप राजी जैसी फिल्म का हिस्सा थीं। कृपया अपनी फिल्म को फिर से देखें और फिर शांति की अपील करें।' एक्ट्रेस ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा- 'शांति दो देशों के बीच होनी चाहिए, जब तक कि आप यह न सोचें कि यह युद्ध पाकिस्तान अपने आप से लड़ रहा है?'

प्रियंका ने 'नादानियां' देखकर इब्राहिम अली को दी ऐसी सलाह

कभी नहीं भूल सकते एक्टर!

सैफ अली खान और उनकी एक्स वाइफ अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान ने इसी साल अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। उनकी पहली फिल्म नादानियां थी जिसमें वह दिवंगत अदाकारा श्रीदेवी और प्रोड्यूसर बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर के साथ नजर आए। इस फिल्म की रिलीज के बाद उन्हें अपनी परफॉर्मेंस के लिए बहुत आलोचना मिली थी। भले ही नेटिजंस और क्रिटिक्स ने इब्राहिम अली खान की परफॉर्मेंस की आलोचना की हो, लेकिन सेलिब्रिटीज ने उनका हौंसला बढ़ाया था जिनमें से एक फिल्मी अदाकारा प्रियंका चोपड़ा भी हैं। उन्होंने अपने एक मैसेज से इब्राहिम का उत्साह बढ़ा दिया था और करियर के लिए एक बढ़िया सलाह दी थी जिसे वह खुद भी बेस्ट एडवाइस मानते हैं। जीक्यू को दिए लेटेस्ट इंटरव्यू में जब इब्राहिम से पूछा गया कि उन्हें डेब्यू करने के बाद कौन सी बेस्ट एडवाइज मिली थी। उन्होंने बताया कि उन्हें दो सबसे अच्छी सलाह मिली थी- एक उनके पिता सैफ अली खान ने दी थी और दूसरा प्रियंका चोपड़ा ने। पिता ने इब्राहिम से कहा था कि यह कोई 2000 का दौर नहीं है जहां कोई भी स्टार आए और उसकी फिल्म ब्लॉकबस्टर बन जाए। उन्हें क्विक लर्नर और पहले से तैयार होना पड़ेगा। सैफ के बाद जिस दूसरी शख्सियत की एडवाइज इब्राहिम अली खान को पसंद आई, वो प्रियंका चोपड़ा की थी। नादानियां की रिलीज के बाद प्रियंका ने यह फिल्म देखी और उसके बाद इब्राहिम से क्या कहा था? इस बारे में एक्टर ने बताया, 'उन्होंने कहा कि मुझे अपना सिर ऊंचा रखना है और मेहनत करते रहना है। मुझे अपनी चमड़ी मोटी करनी होगी। उनके जैसी सफल महिला से बात करके मुझे वाकई सुकून और प्रेरणा मिली।'

'बिग बॉस' से मिली बॉलीवुड में एंट्री, 'बेबी डॉल' बन हुई

उतार-चढ़ाव भरी रही एक्ट्रेस की लाइफ

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी 13 मई यानी आज अपना 44वां जन्मदिन मना रही हैं। सनी लियोनी ने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। उन्होंने कई फिल्मों और आइटम सॉन्ग में काम किया है। सनी का जन्म 1981 को सर्निया ओंटारियो, कनाडा में पंजाबी सिख परिवार में हुआ था। उनका असली नाम करनजीत कौर वोहरा है। करियर के शुरुआती दौर में एक्ट्रेस ने एक जर्मन बेकरी और टैक्स एंड रिटायरमैंट फर्म में काम किया था। सनी लियोनी नर्स बनना चाहती थीं, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। आज उनका नाम फिल्म इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल है। कम ही लोग जानते हैं कि सनी को पहली बार फिल्म मेकर मोहित सूरी ने अपनी फिल्म 'कलयुग'(2005) के लिए अप्रोच किया था, लेकिन बात फीस पर आकर अटक गई और एक्ट्रेस ने ये ऑफर ठुकरा दिया। इसके बाद उन्हें बॉलीवुड डेब्यू के लिए 7 साल इंतजार करना पड़ा था। सनी लियोनी की साल 2018 और 2019 में वेब सीरीज 'करनजीत कौर - द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ सनी लियोनी' आई थी। इस वेब सीरीज के जरिए उन्होंने अपनी जिंदगी के बारे में कई खुलासे किए थे। वहीं बात करें सनी लियोनी के करियर की तो उन्हें पहली बार छोट पर्दे के पॉपुलर रियलिटी शो 'बिग बॉस' में देखा गया था। इस शो से एक्ट्रेस की किस्मत चमक गई और इसी शो के दौरान उन्हें अपनी पहली फिल्म का ऑफर मिला। दरअसल, सनी ने 2011 में रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 5 में वाइल्ड कार्ड एंट्री की थी। यहीं से उन्हें बॉलीवुड में एंट्री करने का मौका मिला। इस शो के एक एपिसोड के दौरान डायरेक्टर महेश भट्ट गेस्ट बनकर आए थे और सनी को अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए चुना था। पूजा भट्ट के डायरेक्शन में बनी 'जिस्म 2' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म के बाद एक्ट्रेस को बैक टू बैक फिल्में मिली। बाद में उन्होंने 'जैकपॉट' (2013), 'रागिनी एमएमएस 2' (2014), 'एक पहेली लीला' (2015), 'कुछ-कुछ लोचा है' (2015), 'मस्तीजादे' (2016) और 'वन नाइट स्टैंड' (2016) जैसी कई फिल्मों में काम किया है। वे टीवी शो 'स्पिल्ट्सविला' के सातवें और आठवें सीजन को भी होस्ट कर चुकी हैं। बता दें कि सनी लियोनी ने डेनियल वेबर से शादी की है। इस कपल के तीन बच्चे हैं, जिसमें बेटी को गोद लिया है और दो बेटे सेरोगेसी से हुए हैं।

मेघा रे और सूरज प्रताप सिंह करेंगे 'दिव्य प्रेम' से एक नई शुरुआत

प्रेम और रहस्य की अद्भुत दास्तान में निभाएंगे मुख्य भूमिका

सन नियो ने अपने नए शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' की घोषणा से ही दर्शकों में इस शो को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। अब एक दिलचस्प टीज़र के साथ इस उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है, जिसमें इस रहस्यमयी प्रेम कहानी के मुख्य किरदारों से पर्दा उठाया गया है। टीज़र में शो की मुख्य जोड़ी का परिचय कराया गया है, जिसमें मेघा रे को शो के मेन लीड की भूमिका में देखा जाएगा, जबकि सूरज प्रताप सिंह हीरो के किरदार में नज़र आएँगे। पहले ही सीन में यह टीज़र एक सिनेमाई अनुभव देने का वादा करता है, जिसमें प्रेम, नियति और कई रहस्य छुपे हुए हैं। शुरुआत महाकाल की एक प्रभावशाली झलक से होती है, जिस पूरे सीन में दिव्यता और रहस्य की एक झलक देखने को मिलती है। जैसे-जैसे मुख्य किरदार एक-दूसरे की ओर आगे बढ़ते हैं, उनकी नज़रों का मिलना एक गहरी, अनकही भावना को जन्म देता है। उनके हाथों के स्पर्श मात्र से कुछ जादुई चीजें घटित होती हैं, जिसमें लड़के के हाथ पर बना त्रिशूल और नाग का टैटू, साथ ही लड़की के शरीर पर सुशोभित चंद्रमा, यह दोनों ही जगमगाने लगते हैं।

यह दृश्य केवल एक क्षण नहीं, बल्कि एक संकेत है एक गहरे संबंध का, जो रहस्य, जादू और भाग्य से बंधा है। यह कहानी केवल प्रेम की नहीं, बल्कि उस अदृश्य डोर की है जो आत्माओं को जोड़ती है। शो में अपनी भूमिका को लेकर मेघा रे ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा:"सन नियो के शो 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' यह बहुत ही स्वाभाविक तरीके से मुझ तक पंहुचा। टीम से कुछ ही बातचीत के बाद मुझे एक लगाव महसूस होने लगा चाहे वो कहानी हो या इसके निर्माता। ये उन ख़ास प्रोजेक्ट्स में से एक है जो जिंदगी में बिल्कुल सही समय पर आते हैं, जब आप एक नई शुरुआत के लिए तैयार होते हैं। यह सिर्फ एक मनोरंजक शो नहीं है बल्कि एक जादुई दुनिया है जो आपको अपनी ओर खींच लेती है। मैं दर्शकों के सामने अपने इस नए अवतार में नज़र आने को लेकर बहुत उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि वे इस प्रेम और रहस्य की दुनिया से एक ख़ास जुड़ाव महसूस करेंगे।" शो के लीड हीरो की भूमिका में नज़र आने वाले अभिनेता सूरज प्रताप सिंह ने अपने नए शो को लेकर कहा, 'मैं इस शो को लेकर शुरुआत से ही बेहद उत्साहित रहा हूँ। जब मैंने इसकी कहानी पढ़ी, तभी तय कर लिया था कि यह भूमिका मुझे हर हाल में करनी है। मैंने मॉक शूट के लिए खूब मेहनत की थी, यहाँ तक कि अपनी रिंग लाइट को अपना को-एक्टर बना कर प्रैक्टिस की। इस शो के लिए मैंने तीन मॉक शूट्स दिए। फिर एक दिन मैं माँ के साथ मंदिर गया था, जहाँ एक पुजारी ने मुझे रुद्राक्ष दिया। ठीक उसी के बाद मुझे कास्टिंग का कॉल आया कि मुझे इस शो के लिए चुना गया है। मुझे सच्चे दिल से लगता है कि वो रुद्राक्ष महादेव का आशीर्वाद था, जो मुझे इस शो का हिस्सा बनाने आया। अभी तो बस टीज़र ही रिलीज़ हुआ है, लेकिन अपनी खुशी और भावनाओं को शब्दों में बयां करना मेरे लिए कठिन है।' शो की पहली झलक से ही यह स्पष्ट हो जाता है कि 'दिव्य प्रेमः प्यार और रहस्य की कहानी' एक नई और ताज़ा कहानी है, जिसमें रोमांस और सस्पेंस का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। इस जादुई सफर का हिस्सा बनने के लिए और इस शो के बारे में अधिक जानने के लिए बने रहें सिर्फ सन नियो पर।

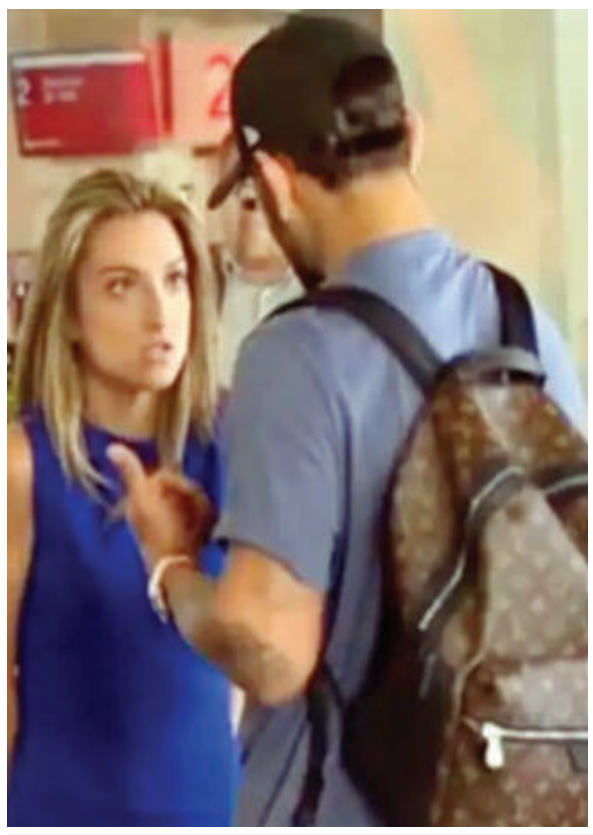

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में छाए कोहली, उनसे भिड़ने वाली महिला पत्रकार ने संन्यास के बाद दी शुभकामना

एजेंसी ● सिडनी

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिये इस प्रारूप को अलविदा कहा। कोहली ने दुनिया के हर कोने में रन बनाए हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से उनकी प्रतिद्वंद्विता खास रही है। खासतौर पर कोहली ने ऑस्ट्रेलिया जाकर खूब रन बनाए हैं।

यही वजह है कि जब भी वहां कोई सीरीज होती है तो ऑस्ट्रेलियाई मीडिया कोहली के नाम से प्रचार प्रसार करती है। वहां की मीडिया उनकी खूब तारीफ भी करती है। अब उनके टेस्ट से संन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया के सभी अखबारों ने उनकी तारीफों के पुल बांधे हैं। इतना ही नहीं, जिस महिला पत्रकार से वह मेलबर्न एयरपोर्ट पर तस्वीर को लेकर भिड़े थे, उस पत्रकार ने खुद पोस्ट कर कोहली को शुभकामना संदेश दिया है।

भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में शानदार प्रदर्शन से महानता हासिल की है और अब वह सफेद जर्सी पहनकर उनके गेंदबाजों को परेशान नहीं कर पाएंगे। इसकी खुशी ऑस्ट्रेलियाई मीडिया को जरूर होगी। सोमवार को कोहली ने अपने शानदार टेस्ट करियर से अलविदा कहा तो ऑस्ट्रेलिया के मुख्य अखबार ' ने इस भारतीय आइकन के बारे में कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई लोगों को कोहली का अविश्वसनीय बल्लेबाजी कौशल और मैदान पर तीखे तेवर का संयोजन आकर्षित करता था जिससे कईयो को उसमें अपनी झलक दिखती।'अखबार ने लिखा, 'कोहली की ऑस्ट्रेलिया में पहली सीरीज 2011-12 में थी जिसमें माइकल क्लार्क की अगुआई वाली टीम का प्रदर्शन एकतरफा रहा। 4-0 के स्कोरलाइन के बावजूद कोहली ने कई समकालीनों की तुलना में अधिक निडरता दिखाई और एडिलेड में शतक के साथ इसका समापन किया।

एससीजी दर्शकों को अंगुली दिखाने के लिए उनकी आलोचना भी हुई। यह ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के साथ लड़ाई की शुरूआत थी जो इस साल जनवरी में टेस्ट क्रिकेटर के रूप में उनके अंतिम दिन समाप्त हुई जब उन्होंने उसी भीड़ को ह्यसैंडपेपरह्ल का इशारा किया।'ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशनह्ल (एबीसी) ने भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में उनके सफल कार्यकाल पर प्रकाश डाला जिसमें ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक सीरीज जीत भी शामिल है। एबीसी ने लिखा, 'उनके टेस्ट करियर को 2014 से 2022 के बीच कप्तान के रूप में उनके कार्यकाल के लिए भी याद किया जाएगा जिसमें उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में से 40 में जीत दिलाई और इस प्रारूप में देश के सबसे सफल कप्तान बने तथा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ (53) और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग (48) और स्टीव वॉ (41) के बाद जीत के मामले में चौथे स्थान पर रहे।' 'विराट कोहली ने संन्यास की घोषणा करके 1.4 अरब दिलों को तोड़ दिया' रहा। वहीं 'फॉक्स स्पोर्ट्स' ने लिखा कि कोहली और रोहित शर्मा की अनुपस्थिति से भारतीय बल्लेबाजी लाइन अप में खालीपन आ जएगा।भारत के हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कोहली मेलबर्न एयरपोर्ट पर महिला पत्रकार नैट योआनिडिस से भिड़ गए थे। ऑस्ट्रेलिआई पत्रकार कोहली की इजाजत के बिना उनके बच्चों की तस्वीर लेने की कोशिश कर रहे थे। कोहली अपने निजी जीवन को सुर्खियों से दूर रखना पसंद करते हैं। यही वजह है कि वह कई बार पत्रकारों को बच्चों वामिका और अकाय से दूर रहने के लिए कह चुके हैं। मेलबर्न में पत्रकारों को तस्वीर लेते देख वह भड़क गए थे। अब नैट ने इंस्टाग्राम स्टोरी में उनके साथ उसी विवाद की तस्वीर साझा की है। इसके कैप्शन में लिखा- विराट, एक बेहतरीन टेस्ट करियर के लिए आपको बधाई।

टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान

एजेंसी ● मेलबर्न

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम का एलान कर दिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2023-25 टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। फाइनल मुकाबला 11 जून से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम डब्ल्यूटीसी की डिफेंडिंग चैंपियन भी है। उसने 2023 में खेले गए फाइनल में भारत को हराकर खिताब अपने नाम किया था।

चोट की वजह से भारत के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में नहीं खेलने वाले ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की वापसी हुई है। इसके अलावा संदिग्ध एक्शन के लिए कुछ समय क्रिकेट से दूर रहने वाले स्पिनर मैट कुहनेमन को भी स्क्वॉड में वापस बुलाया गया है।चोट की वजह से भारत के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में नहीं खेलने वाले ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की वापसी हुई है। इसके अलावा संदिग्ध एक्शन के लिए कुछ समय क्रिकेट से दूर रहने वाले स्पिनर मैट कुहनेमन को भी स्क्वॉड में वापस बुलाया

गया है। ऑस्ट्रेलिया के घरेलू रेड बॉल टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे ब्रैंडन डोगेट को ट्रैवलिंग रिजर्व में रखा गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में 15 खिलाड़ी हैं। वहीं, ऑलराउंडर मिचेल मार्श को टीम से बाहर किया गया है। वह भारत के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में टीम का हिस्सा रहे थे। इसके अलावा श्रीलंका को 2-0 से और भारत को 3-1 से हराने वाली कंगारू टीम में ज्यादा बदलाव नहीं किए गए हैं।टीम को लगातार दूसरी बार टेस्ट चैंपियन बनाने का दारोमदार पैट कमिंस को ही सौंपा गया है। कमिंस कमान संभालेंगे। उनके साथ पेस बॉलिंग में जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क होंगे। ये तीनों ही हाल में आईपीएल खेलकर अपने देश लौट चुके हैं और इनके वापस से इस लीग में जुड़ने की संभावना नहीं है। इसके अलावा बैकअप में ऑस्ट्रेलिया के पास स्कॉट बोलैंड और ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर होंगे। इन दोनों ने भारत के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट में कहर बरपाया था। स्पिन की जिम्मेदारी कुहनेमन के साथ नाथन लियोन पर होगी। वहीं, बल्लेबाजी का दारोमदार उस्मान ख्वाजा, युवा सैम कोंस्टास, ट्रेविस हेड, एलेक्स कैरी, जोश इंगलिस, स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन पर होगा।

हळउ फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमः पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मैट कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर। ट्रैवलिंग रिजर्वः ब्रेंडन डॉगेट।

2023-25 चक्र में ऑस्ट्रेलिया का प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया ने 2023-25 डब्ल्यूटीसी चक्र में शानदार प्रदर्शन किया। टीम ने छह में से चार सीरीज जीतीं और फाइनल में जगह बनाई। 2023 में एशेज में कंगारुओं ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज को 2-2 से ड्रॉ कराया। साथ ही वेस्टइंडीज के खिलाफ 2023-24 में सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही। दक्षिण अफ्रीका ने इस चक्र में डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उन्होंने 12 टेस्ट में आठ मैच जीते। उनका पॉइंट पर्सेंटेज 69.44 रहा। वहीं, ऑस्ट्रेलिया का पॉइंट पर्सेंटेज 67.54 रहा। कंगारुओं ने 19 में से 13 टेस्ट जीते।

ऐसे पांच भारतीय बल्लेबाज जिन पर टिकी होंगी सारी निगाहें, क्या रोहित-कोहली जैसा कमाल दिखा पाएंगे?

एजेंसी ● नई दिल्ली

कोहली ने रन और शतकों की झड़ी लगा दी और भारत को टेस्ट क्रिकेट में कुछ बेहतरीन ऊंचाइयों और यादगार जीत तक पहुंचाया। वहीं, रोहित की बात करें तो टेस्ट करियर की शुरूआत उन्होंने भले ही मध्यक्रम में की हो, लेकिन 2019 में उन्हें ओपनिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई। आइए जानते हैं कि अब ऐसे कौन से खिलाड़ी हैं जो इन दोनों को टेस्ट क्रिकेट में रिप्लेस कर सकते हैं...एक हफ्ते के अंदर रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास ने भारतीय क्रिकेट के फैंस को चौंका कर रख दिया है।

सात मई को रोहित ने और सोमवार को विराट ने सबसे लंबे प्रारूप को अलविदा कह दिया। इसी के साथ भारतीय क्रिकेट के अध्याय का अंत हो गया। 2012-13 में जब टीम इंडिया जब बदलाव के दौर से गुजरी थी, तब सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण जैसे खिलाड़ियों के जो रिप्लेसमेंट आए, उनमें से अब कोई टीम में नहीं है। रोहित-कोहली जैसे खिलाड़ी संन्यास ले चुके तो चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे जैसे बल्लेबाज टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे हैं और उनकी वापसी की संभावना अब न के बराबर है। ऐसे में भारतीय टीम एक बार फिर बदलाव के दौर से गुजर रही है। हालांकि, बदलाव के पिछले दौर में विराट का किर-दार बेहद अहम रहा था। उन्होंने पुजारा के साथ मिलकर मध्यक्रम को बेहद संजीदगी से संवारा। अब नए बल्लेबाजों पर जिम्मेदारी होगी कि उनकी विरासत को आगे ले जाएं।क्रिकेट के मैदान पर शायद ही ऐसी कोई चुनौती रही हो जो विराट को विचलित कर सके। हालांकि, 2011 के वेस्टइंडीज दौरे पर डेब्यू टेस्ट में फिडेल एडवर्डस ने उन्हें खास परेशान किया, लेकिन कोहली ने उससे निपटने का तरीका तलाशने में देर नहीं की। टेस्ट क्रिकेट में विराट भले ही मनचाहे अंदाज में डेब्यू नहीं कर सके, लेकिन आगे चलकर उन्होंने कई इतिहास रचे।

संत प्रेमानंद महाराज ने कोहली-अनुष्का को बताया- कैसे बरसेगी कृपा

एजेंसी ● नई दिल्ली

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा मंगलवार सुबह वृंदावन पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीराधे हित केली कुंज आश्रम में संत प्रेमानंद महाराज से भेंट की। इस दौरान दोनों ने संत महाराज से आशीर्वाद लिया और आध्यात्मिक चर्चा में भाग लिया। संन्यास के बाद यह उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति मानी जा रही है। संन्यास के बाद सीधे आध्यात्मिक शांति की तलाश में वह वृंदावन पहुंचे।विराट ने सोमवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान किया था। उन्होंने एक भावुक पोस्ट के जरिये अपने 14

साल के टेस्ट करियर पर विराम लगाने की पुष्टि की थी। विराट ने कहा था कि उन्होंने इस प्रारूप से काफी सबक लिया है। विराट टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले ही संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे में खेलते दिखाई पड़ेंगे। विराट आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम का भी हिस्सा हैं और कुछ दिनों बाद वह आरसीबी टीम से जुड़ जाएंगे और पहली बार टीम को चैंपियन बनाने की कोशिश करेंगे।कोहली और अनुष्का ने संत प्रेमानंद के आश्रम में साढ़े तीन घंटे से भी ज्यादा समय बिताया। दोनों सुबह करीब छह बजे आश्रम पहुंचे और करीब साढ़े नौ बजे वहां से निकल गए। यह पहली बार नहीं है जब विराट संत प्रेमानंद से मिलने पहुंचे हैं। वह इससे पहले जनवरी 2023 में इसी साल जनवरी में भी मिलने पहुंचे थे। अब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने संत प्रेमानंद से गहन चर्चा की। इस दौरान विराट ने पूछा कि असफलता से कैसे बाहर निकला जाए? इस पर प्रेमानंद ने कहा कि अभ्यास करना जारी रखें।

शेफील्ड यूनाइटेड ने ब्रिस्टल सिटी पर 3-0 की जीत के साथ रिकॉर्ड 6-0 के कुल अंतर से जीत हासिल कर चैम्पियनशिप प्ले-ऑफ फाइनल में प्रवेश किया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहली बार नहीं लगा किसी भारतीय के करियर पर विराम

खेल संवाददाता ● भोपाल

कई भारतीय दिग्गज हैं, जिन्होंने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को या इस प्रारूप को अलविदा कह दिया। इसमें राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण से लेकर विराट कोहली तक कई बड़े नाम शामिल हैं। आइए जानते हैं...भारत के हालिया ऑस्ट्रेलिया दौरे ने तीन दिग्गज भारतीय खिलाड़ियों के करियर पर विराम लगा दिया। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दौरे के बीच में ही अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया। वहीं, रोहित शर्मा और विराट कोहली ने इस महीने एक हफ्ते के अंदर टेस्ट को अलविदा कह दिया। ये दोनों टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। अब रोहित और विराट सिर्फ वनडे में खेलते दिखाई पड़ेंगे। इसी के साथ ये तीनों उन क्रिकेटर्स की लिस्ट में शामिल हो गए, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद इस प्रारूप से या फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया। इस लिस्ट में कई महान खिलाड़ी शामिल रहे हैं। पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और दिलीप वेंगसरकर जैसे दिग्गज क्रिकेटर्स इस सूची में शामिल हैं।भारत के पूर्व ओपनर श्रीकांत ने फरवरी 1992 में ऑस्ट्रेलिया की धरती पर खेली गई टेस्ट सीरीज के बाद संन्यास लिया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर ही अपना आखिरी टेस्ट खेला था। हालांकि, वह वनडे खेलते रहे थे, लेकिन वनडे से भी उन्होंने मार्च 1992 में संन्यास ले लिया था। पर्थ के वाका में श्रीकांत ने आखिरी टेस्ट खेला था। इस मैच में वह 34 और 38 का स्कोर बना पाए थे। पांच मैचों की यह टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 4-0 से अपने नाम की थी।सिर्फ श्रीकांत नहीं, 1992 की यह सीरीज महान दिलीप वेंगसरकर की भी आखिरी टेस्ट सीरीज साबित हुई थी। पर्थ में खेला गया पांचवां टेस्ट उनका आखिरी टेस्ट रहा। वनडे से वह पहले ही संन्यास ले चुके थे। इस तरह 1991/92 भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज भारत के दो महान बल्लेबाजों के लिए आखिरी टेस्ट सीरीज साबित हुई।भारत ने 2011/12 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। इस सीरीज के चौथे टेस्ट के बाद भारत के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ ने भी टेस्ट से संन्यास ले लिया था। एडिलेड ओवल में खेला गया

चौथा टेस्ट द्रविड़ का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच साबित हुआ। वनडे और टी20 से वह पहले ही संन्यास ले चुके थे। द्रविड़ ने अपने आखिरी मुकाबले में एक और 25 रन की पारी खेली। द्रविड़ के अलावा एक और महान बल्लेबाज ने 2012 बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को छोड़ दिया था। यह बल्लेबाज कोई और नहीं बल्कि वेरी वेरी स्पेशल वीवीएस लक्ष्मण हैं। एडिलेड टेस्ट उनके लिए भी आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच रहा। लक्ष्मण ने अपने आखिरी मुकाबले में 18 और 35 रन की पारी खेली। भारत चार मैचों की यह सीरीज 4-0 से हार गया था।भारत ने 2014/15 में चार मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। जब इस सीरीज के लिए टीम का एलान हुआ तो धोनी कप्तान थे। किसी को कोई अंदाजा नहीं था कि इस सीरीज में कुछ ऐसा होने वाला है जो विश्व क्रिकेट को चौंका कर रख देगा। भारत एडिलेड और गाबा में खेले गए शुरूआती दो टेस्ट में बुरी तरह हार गया था। इसके बाद तीसरे टेस्ट में तब उपकप्तान रहे विराट कोहली को कमान सौंपी गई और धोनी ने चोट का हवाला देते हुए आराम का फैसला किया। मेलबर्न में खेला गया तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा और इस टेस्ट के खत्म होते ही धोनी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। इस फैसले ने दुनिया को चौंका दिया था। किसी को इसका अंदाजा नहीं था। हालांकि, धोनी इसके बाद 2019 तक सीमित ओवर क्रिकेट खेलते रहे थे।भारत ने 2018/19 में चार मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था। एडिलेड में खेले गए पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने जीत हासिल की, जबकि पर्थ में खेले गए दूसरे टेस्ट को ऑस्ट्रेलिया ने अपने नाम किया था। इन दोनों टेस्ट में मुरली विजय ने ओपनिंग की, लेकिन उनका प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद उन्हें तीसरे और चौथे टेस्ट के लिए ड्रॉप किया गया। तीसरा टेस्ट भारत ने जीता और चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा। भारत ने 2-1 से सीरीज जीती और विजय के लिए यह आखिरी सीरीज साबित हुई। इसके बाद वह अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल पाए। उन्होंने तब ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।एक ऐसे समय में जब अश्विन अपने करियर के चरम पर थे, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया। यह एक ऐसा फैसला है, जिसके पीछे की वजह शायद खुद अश्विन ही बता पाएं। टेस्ट में 537 विकेट, 37 फाइफर्स, 11 प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड्स, छह टेस्ट शतक, 14 अर्धशतक...ऐसा कौन सा रिकॉर्ड है जिससे अश्विन पीछे रहे, लेकिन उन्होंने इससे दूर जाने का फैसला लिया। वह शुरू में एक बल्लेबाज थे, जो कि आगे चलकर एक महान स्पिनर बना। वह आमतौर पर ऑफ स्पिन गेंदबाजी करते थे, लेकिन उनकी कैरम बॉल ने दुनिया में तहलका मचा दिया था। हालांकि, उनके 'रिटायरमेंट का समय' एक ऐसी अनसुलझी गेंद है, जिसका किसी के पास कोई जवाब नहीं है।भारतीय फैंस को बुधवार सात मई को तब बड़ा झटका लगा, जब रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रि-केट से अचानक संन्यास लेने का फैसला लिया। वह फिलहाल टेस्ट में टीम इंडिया के कप्तान भी थे। रोहित शर्मा को 2022 में टेस्ट प्रारूप का नियमित कप्तान बनाया गया था। तब से लेकर हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे तक वह क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में टीम इंडिया के कप्तान रहे। 2024/25 ऑस्ट्रेलिया दौरा ही उनकी आखिरी टेस्ट सीरीज साबित हुई। हालांकि, एक जनवरी 2024 के बाद से रोहित का इस प्रारूप में फॉर्म बेहद खराब रहा था।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, बुधवार, 14 मई, 2025
www.adityabharat.com

सांस्कृतिक महोत्सव में परंपरा का निर्वाहन...

अल साल्वाडोर के औपनिवेशिक शहर पंचीमाल्को में ताड़ और फूलों के 43वें सांस्कृतिक महोत्सव के दौरान स्वदेशी 'पंचितास' पोशाक में युवतियां जुलूस के साथ चलती हैं।

शॉट न्यूज

जिहादी हमला में सौ लोगों की मौत

ड्जीबो। अफ्रीकी देश बुरकीना फासो में एक बड़े आतंकी हमले में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। मारे गए लोगों में अधिकतर सैनिक शामिल हैं। हमला देश के उत्तर में स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहर ड्जीबो और उसके आसपास के इलाकों में हुआ। आतंकियों ने सैन्य अड्डों समेत कई प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। इस हमले की जिम्मेदारी अल-कायदा से जुड़े आतंकवादी संगठन 'जमात नस्र अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन' (जेएनआईएम) ने ली है। जानकारी के अनुसार, आतंकियों ने दो दिन पहले तड़के करीब 6 बजे एक साथ 8 अलग-अलग लोकेशनों पर हमला किया। ड्जीबो शहर के सभी प्रवेश मार्गों पर पहले कब्जा किया और फिर विशेष सुरक्षा बलों के ठिकानों पर हमला बोला गया। इनमें एंटी-टेररिस्ट यूनिट का मुख्य कैंप भी शामिल था।

इमीग्रेशन पर सख्त ब्रिटिश पीएम

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को प्रवासन को लेकर एक सख्त नीति की घोषणा की, जिसके तहत नागरिकता पाने के लिए प्रवासियों की प्रतीक्षा अवधि को 5 साल से बढ़ाकर 10 साल कर दिया गया है। उनका कहना है कि आने वाले पांच वर्षों में प्रवासन की संख्या में ठोस गिरावट लाने का यह कदम बेहद जरूरी है। डाउनिंग स्ट्रीट से प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए स्टार्मर ने पिछली कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार पर निशाना साधा और उसे 'खुले बॉर्डर का असफल प्रयोग' बताते हुए मौजूदा हालात को 'गड़बड़ी' करार दिया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'अगर आप यूके में रहना चाहते हैं, तो आपको अंग्रेजी बोलनी आनी चाहिए। यह कॉमन सेंस की बात है। इसलिए हम हर प्रमुख प्रवासन मार्ग पर अंग्रेजी भाषा की योग्यता को और कड़ा कर रहे हैं।' उन्होंने यह भी वादा किया कि लेबर पार्टी की यह नई नीति एक 'नियंत्रित, चयनात्मक और न्यायपूर्ण" प्रवासन प्रणाली को आकार देगी।

कतर से मिल रहे 3300 करोड़ के विमान पर मचा बवाल

ट्रंप बोले : फ्री की चीज कोई मूर्ख ही छोड़े

एजेंसी ● वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कतर की शाही फैमिली की ओर से 400 मिलियन डॉलर (करीब 3300 करोड़ रुपए) की कीमत वाला बोइंग 747 विमान उपहार में देने की पेशकश की गई है, जिसे ट्रंप 'एयर फोर्स वन' के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं। ट्रंप ने तोहफे को लेकर कहा है कि मैं इतना मूर्ख नहीं, जो फ्री की चीज छोड़ दूं। इस गिफ्ट को लेकर अमेरिका भर में बवाल मचा हुआ है। विरोधी दल डेमोक्रेट से लेकर रिपब्लिकन भी गिफ्ट पर सवाल उठा रहे हैं। कतर का यह प्रस्ताव अब कानूनी, नैतिक और सुरक्षा के लिहाज से विवादों के घेरे में आ गया है।

बवाल

1839 में राष्ट्रपति मार्टिन वैन ब्यूरन को जब मोरक्को और ओमान के सुल्तानों से शेर, मोती और घोड़े मिले, तो उन्होंने उन्हें स्वीकार नहीं किया। उन्होंने संविधान का हवाला देते हुए कांग्रेस से मार्गदर्शन मांगा। नतीजाः शेर चिड़ियाघर चले गए, मोती स्मिथसोनियन म्यूजियम में हैं। ट्रंप का रवैया बिल्कुल उलट है। उन्होंने पत्र कारों से कहा, 'अगर कोई हमें मुफ्त विमान दे रहा है, तो क्या मैं मूर्ख बनूं और कहूं कि नहीं चाहिए?'

विरोध में रिपब्लिकन भी - पूर्व रिपब्लिकन स्पीकर केविन मैकार्थी ने कहा, 'अमेरिका खुद अपना विमान बना सकता है, हमें किसी से मुफ्त में लेने की जरूरत नहीं।' वहीं डेमोक्रेट सांसद डैन गोल्डमैन ने तीखा हमला बोलाः 'यह ट्रंप की भ्रष्ट मानसिकता का नया उदाहरण है, जहां राष्ट्रपति पद का इस्तेमाल निजी लाभ के लिए किया जा रहा है।' ट्रंप, जिन्होंने पहले 'अमेरिका फर्स्ट' का नारा देकर विदेशी व्यापार पर सख्ती दिखाई थी, अब विदेशी दान पर निर्भर दिख रहे हैं। यह स्थिति उनके समर्थकों और विरोधियों दोनों के लिए असहज है।

सुरक्षा एजेंसियां भी नहीं आश्वस्त - राष्ट्रपति की सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञ गैरेट ग्राफ का कहना है कि किसी विदेशी इस्तेमाल किए गए विमान को राष्ट्रपति के उपयोग के लिए लेना "बुद्धिमानी नहीं" बल्कि 'खतरनाक' है। यह विमान लंबे समय तक कतर सरकार के नियंत्रण में रहा है, जिससे साइबर सुरक्षा, जासूसी और ट्रैकिंग जैसे खतरे बनते हैं।

अमेरिका का संविधान क्या कहता है

अमेरिकी संविधान का 'एमोल्युमेंट्स क्लॉज' साफ कहता है कि कोई भी व्यक्ति, जो अमेरिका के लाभ के पद पर है, वह बिना कांग्रेस की अनुमति किसी राजा या विदेशी राज्य से कोई तोहफा नहीं ले सकता। लेकिन ट्रंप का कहना है कि अगर विमान रक्षा विभाग को दिया जाए, तो यह नियम उनके ऊपर लागू नहीं होगा।

ट्रंप का बिजनेस मध्य पूर्व में तेजी से फैला - ट्रंप का यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब उनके परिवार के व्यवसाय मध्य पूर्व में बढ़ रहे हैं। सऊदी अरब में ट्रंप टॉवर और कतर में गोल्फ कोर्स जैसे प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। यूएई ने ट्रंप की कंपनी द्वारा बनाई गई क्रिप्टो प्रणाली के ज़रिए 2 अरब डॉलर का सौदा किया है।

महाराष्ट्र-छग सीमा पर नक्सलियों के साथ पुलिस की मुठभेड़

एजेंसी ● गढ़चिरौली

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में छत्तीसगढ़ सीमा के पास नक्सलियों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई। इसके बाद पुलिस ने कल नक्सलियों के दो हथियार, कई जिंदा कारतूस, डेटोनेटर और अन्य सामग्री बरामद की है। हालांकि नक्सली वहां से भागने में कामयाब रहे। मगर उनके घायल होने की संभावना है। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया कि मुठभेड़ तीन स्थानों पर हुई और दो घंटे तक चली। पुलिस को रविवार दोपहर खुफिया सूचना मिली कि माओवादियों के भामरागढ़ दलम ने गढ़चिरौली के कवांडे में हाल ही में खुले फुट ओवरब्रिज के पास महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर एक शिविर बनाया है पीटीआई के मुताबिक, विज्ञप्ति में बताया गया कि इन सूचनाओं के आधार पर, नक्सली हिंसा से निपटने के लिए विशेष पुलिस इकाई सी-60 के लगभग 200 कमांडो के साथ रविवार शाम को अतिरिक्त एसपी एम। रामेस के नेतृत्व में एक अभियान शुरू किया गया।

सोमवार की सुबह जब पुलिस की टुकड़ी अभियान चला रही थी, तो माओवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद सी-60 टुकड़ी ने भी जवाबी कार्रवाई की। दो घंटे की अवधि में तीन स्थानों पर माओवादियों के साथ रुक-रुक कर गोलीबारी हुई। बयान में कहा गया है कि मुठभेड़ बंद होने के बाद पुलिस ने दो हथियार बरामद किए हैं। जिनमें एक स्वचालित इंसास राइफल और एक सिंगल-शॉट राइफल - एक मैगजीन, कई जिंदा कारतूस, डेटोनेटर, एक रेडियो, 3 'पिट्ठू' (माओवादियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले बैग), बड़ी मात्रा में नक्सली साहित्य और सामान शामिल है।

भारत के पड़ोस में स्कूल पर तानाशाह सेना की बमबारी

17 छात्रों की मौत, 20 से अधिक घायल

एजेंसी ● नेपीता

भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में सैन्य जुंटा ने एक स्कूल पर बमबारी की। इस बमबारी में 17 छात्रों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक घायल हैं। यह स्कूल सागाइंग क्षेत्र के डेपायिन शहर में है, जिसे म्यांमार की अपदस्थ राष्ट्रीय एकता सरकार चला रही थी। इस हमले पर सैन्य जुंटा ने कोई भी टिप्पणी करने से इनकार किया है। म्यांमार में लंबे समय से गृहयुद्ध जारी है, जिस कारण हजारों की संख्या में लोगों की मौत हुई है और कई लाख आबादी विस्थापित हुई है। म्यांमार की अपदस्थ सरकार ने बताया कि हमला कल किया गया। उस वक्त स्कूल में बड़ी संख्या में छात्र मौजूद थे। अभी तक 17 छात्रों के मौत की पुष्टि हो चुकी है। यह हमला तब हुआ है, जब हाल के विनाशकारी भूकंप के बाद दोनों पक्षों में संघर्ष विराम लागू था। छाया राष्ट्रीय एकता सरकार द्वारा संचालित यह स्कूल म्यांमार के सागाइंग क्षेत्र के डेपायिन शहर में है, जो मांडले से लगभग 160 किमी (100 मील) उत्तर में है और 28 मार्च को आए भूकंप के केंद्र से बहुत दूर नहीं है।

बमबारी

म्यांमार की सेना ने चुप्पी साधी

जुंटा के प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पिछले हफ्ते, जुंटा ने कहा कि वह भूकंप के बाद के संघर्ष विराम को 31 मई तक बढ़ा रहा है। इसने भूकंप के कुछ दिनों बाद अप्रैल की शुरुआत में राहत प्रयासों का समर्थन करने के लिए संघर्ष विराम की घोषणा की थी, जो कि जुंटा विरोधी सशस्त्र समूहों द्वारा इसी तरह के कदमों के बाद हुआ था। संघर्ष विराम की घोषणा के बावजूद म्यांमार के कुछ हिस्सों में सैन्य हवाई हमले और तोपखाने के हमले जारी हैं। एनजेयू में तख्तापलट में सेना द्वारा हटाए गए निर्वाचित प्रशासन के अवशेष और अन्य जुंटा विरोधी समूह शामिल हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)